आज़ादी का अमृत महोत्सव

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

प्रशासनिक-प्रतिवेदन

2021-22

संस्कृत-शिक्षा-विभाग, राजस्थान

राजस्थान सरकार

प्रशासनिक–प्रतिवेदन

2021-2022

संस्कृत–शिक्षा–विभाग,राजस्थान

प्रशासनिक–प्रतिवेदन

(2021–2022)

अनादिनिधना नित्या वागुत्सृष्टा स्वयम्भुवा ।
आदौ वेदमयी दिव्या यतः सर्वाः प्रवृत्तयः ।।

संस्कृत भाषा भारतीय सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर है। यह भारत की आत्मा है। विश्व का प्रथम साहित्य 'ऋग्वेद' इसी भाषा में उपलब्ध है। यह हमारे प्राचीन इतिहास को वर्तमान से जोड़ती है तथा भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है। इसमें निहित ज्ञान–विज्ञान, आध्यात्मिक चेतना एवं नैतिक मूल्यों की सुदीर्घ परम्परा 'सर्वजनहिताय–सर्वजनसुखाय'' मानवमात्र के कल्याण हेतु तत्पर है। व्याकरण एवं ध्वनि व्यवस्था की वैज्ञानिकता के कारण इसकी सर्वश्रेष्ठता स्वयं सिद्ध है। संस्कृत मात्र भाषा न होकर भारतवर्ष की सांस्कृतिक अन्तःप्रेरणा का प्रत्यक्षरूप है, जिसने विश्वसमुदाय को ''वसुधैव–कुटुम्बकम्' का उदात्त सिद्धान्त देकर 'विश्व एक परिवार' की अवधारणा को निरन्तर परिपुष्ट किया है। संस्कृत भाषा में रचित वेद, पुराण, दर्शन, ज्योतिष, व्याकरण, साहित्यशास्त्र आदि के साथ साथ आदिकाव्य रामायण, महाभारत, काव्यशास्त्र एवं महाकाव्य ज्ञान–विज्ञान के अनुपम उदाहरण हैं। संश्लेषण–विश्लेषणरूप विशिष्टता के कारण सुपर कम्प्यूटर के लिए आज संस्कृत भाषा ही अन्य भाषाओं से अधिक उपयोगी मानी गयी है।

संस्कृत भाषा की इन अलौकिक विशेषताओं के कारण राजस्थान सरकार ने राष्ट्र के सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं आध्यात्मिक मानचित्र में अपना नाम अंकन कराते हुये ''केन्द्रीय संस्कृत आयोग'' द्वितीय के अध्यक्ष डॉ0 सुनीति कुमार चटर्जी की अनुशंषा पर तत्कालीन राज्य सरकार द्वारा 1958 में संस्कृत शास्त्रों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु स्वतंत्र रूप से निदेशालय संस्कृत शिक्षा की स्थापना की गयी, जिसे सम्पूर्ण देश ही नहीं वरन् राजस्थान राज्य में ही प्रथमतः संचालित होने का गौरव प्राप्त है।

इसी क्रम में राजस्थान संस्कृत अकादमी एवं जगद्गुरू रामानन्दार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना भी राज्य की क्रमबद्ध संस्कृत विकास की परम्परा को इंगित करती है। संस्कृत शिक्षा विभागीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय के साथ साथ राजस्थान राज्य संस्कृत शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (S.S.I.E.R.T.) भी संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में निरन्तर प्रयासरत है।

संस्कृत शिक्षा का सुनियोजित क्रमिक विकास जहॉ राज्य सरकार की संस्कृत प्रचार–प्रसार के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है, वहीं संस्कृत भाषा की लोकप्रियता को भी रेखांकित करता है। संस्कृत शिक्षा निदेशालय की स्थापना के समय 33 राजकीय एवं 73 अराजकीय संस्थाओं में अध्ययनरत 10 हजार विद्यार्थियों तथा 5.26 लाख के विभागीय बजट के साथ प्रारम्भ हुई संस्कृत शिक्षा की विकास यात्रा को इस रूप में समझा जा सकता है कि आज विभाग के अधीन कुल 2302 संस्थाएं संचालित हैं, जिनमें 31 राजकीय महाविद्यालय, 27 अराजकीय महाविद्यालय, 1770 राजकीय विद्यालय व 375 अराजकीय विद्यालय, 82 अराजकीय शिक्षा शास्त्री प्रशिक्षण महाविद्यालय, 01 राजकीय शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय व 15 अराजकीय शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय तथा 01 राज्यस्तरीय राजस्थान राज्य संस्कृत शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (S.S.I.E.R.T.) संचालित है। इन

संस्थाओं में बिना किसी जाति – वर्गभेद के लाखों विद्यार्थी संस्कृत वाड्.मय का संस्कृत माध्यम से अध्ययन कर रहे हैं। साथ ही आधुनिक विषयों का भी ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं।

संस्कृत शिक्षा विभाग द्वारा कोविड–19 की विषम परिस्थितियों में भी विद्यार्थियों के शिक्षण को अनवरत जारी रखने के प्रयासों के बीच विभागीय ''देववाणी एप'' एवं यू–ट्यूब पर शैक्षणिक ई–कन्टेण्ट के रूप में वीडियों/पी.पी.टी. उपलब्ध करवाने के साथ ही ऑनलाइन–शिक्षण गतिविधियों को प्रभावी बनाते हुए छात्र अधिगम को सुगम बनाने का प्रयास किया गया है। इसी प्रकार महाविद्यालय स्तर पर भी शिक्षकों द्वारा 1000 से अधिक ई–कन्टेण्ट तैयार कर महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाये गये हैं, अध्ययन के ऑन लाइन माध्यम से पठन पाठन को सहज बनाया गया। यह संस्कृत शिक्षा के आधुनिकीकरण को दर्शाते हैं।

राज्य सरकार संस्कृत शिक्षा एवं संस्कृत भाषा के प्रचार–प्रसार हेतु संकल्पबद्ध एवं जागरूक है। विभाग द्वारा वरिष्ठ अध्यापक के 336 एवं प्राध्यापक (विभिन्न विषय) के 280 पदों पर नियुक्ति दी गई।

विभाग द्वारा 11 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का कनिष्ट सहायक के पद पर विभागीय पदोन्नति द्वारा पदस्थापन किया गया।

विभाग में 01 नवीन राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय खोलने के साथ ही 01 प्राथमिक विद्यालय को उच्च प्राथमिक स्तर पर, 40 उच्च प्राथमिक विद्यालयों को प्रवेशिका स्तर पर, 02 प्रवेशिका विद्यालयों को वरिष्ठ उपाध्याय स्तर पर क्रमोन्नत किया गया है। इन क्रमोन्नत संस्थाओं के साथ ही विभाग में विभिन्न श्रेणी के 399 नवीन पदों का सर्जन संस्कृत शिक्षा के विकास हेतु राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आज भी संस्कृत शिक्षा विभाग निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। राज्य सरकार भी संस्कृत शिक्षा तथा संस्कृत भाषा को प्रोत्साहन देने हेतु पूर्ण मनोयोग के साथ संकल्पित है। आज पूरे प्रदेश में संस्कृत के लिए अनुकूल वातावरण बना हुआ है। हम संस्कृत में निहित ज्ञान–विज्ञान को जन–जन तक पहुँचाने हेतु वचनबद्ध है। ''संस्कृतं सर्वत्र'' की संकल्पना ही विभाग का मूल मंत्र है।

जयतु संस्कृतम् । जयतु भारतम् ।।

संस्कृत–शिक्षा–विभाग का संघटनात्मक स्वरूप

संस्कृत शिक्षा मंत्री

अतिरिक्त मुख्य सचिव

शासन उप सचिव

निदेशक, संस्कृत–शिक्षा,राजस्थान,जयपुर

संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारी

(संभागस्तर)

1.पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के संचालित महाविद्यालय एवं विद्यालयः–

क्र.सं.	विद्यालय / महाविद्यालय	राजकीय	अराजकीय	योग
1.	आचार्य महाविद्यालय (स्नातकोत्तर)	13	14	27
2.	शास्त्री महाविद्यालय (स्नातक)	18	13	31
3.	राजस्थान राज्य संस्कृत शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान	01	—	01
4.	वरिष्ठ उपाध्याय विद्यालय (सीनि.सैकण्डरी स्तर)	194	27	221
5.	प्रवेशिका विद्यालय (सैकण्डरी स्तर)	228	75	303
6.	उच्च प्राथमिक विद्यालय (मिडिल स्तर)	925	259	1184
7.	प्राथमिक विद्यालय (प्राइमरी स्तर)	423	14	437
8.	शिक्षाशास्त्री प्रशिक्षण महाविद्यालय	_	82	82
9.	शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय	01	15	16
	योग	1803	499	2302

'राज्य सरकार से प्राप्त अनापत्ति प्रमाण पत्र के अनुसार ।

2.संस्कृत शिक्षा के शैक्षणिक सत्र 2021–22 में महाविद्यालय / विद्यालयों में नामांकित शिक्षार्थियों का विवरण–

स्तर	कुल विद्यार्थी	सामान्य	अनु0जाति	अनु0जन0जाति	अन्य पिछडा वर्ग	अल्पसंख्यक	विशेष पिछडा वर्ग
महाविद्यालय स्तर पर छात्र	3996	1057	735	635	1211	84	274
महाविद्यालय स्तर पर छात्रा	4215	603	858	901	1598	26	229
महाविद्यालय योग	8211	1660	1593	1536	2809	110	503
विद्यालय स्तर पर छात्र	96522	8683	28384	14468	31681	7133	6173
विद्यालय स्तर पर छात्रा	93219	7938	26917	13725	32192	6179	6268
विद्यालय योग	189741	16621	55301	28193	63873	13312	12441

संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय	2440 (दो वर्षीय पाठ्यक्रम के अनुसार) आवंटित सीटें	राज्य सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण प्रावधान लागू हैं। नोटः– शास्त्री तृतीय वर्ष का परीक्षा परिणाम विलम्ब से जारी होने के कारण आचार्य पूर्वार्द्ध में प्रवेश कार्य प्रक्रियाधीन है।
संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय	8710 आवंटित सीटें	
शास्त्री–शिक्षाशास्त्री एकीकृत पाठ्यक्रम	450 आवंटित सीटें	
शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय / महाविद्यालय, योग	11600 कुल आवंटित सीटें	
महायोगः–	209552	

3. संस्कृत–शिक्षा–विभाग में स्वीकृत प्रशासनिक एवं शैक्षणिक पद :–

क्र.सं.	पद नाम	स्वीकृत संख्या
(क)प्रशासनिक पद		
1.	निदेशक	01
2.	संयुक्त निदेशक	01
3.	सहायक निदेशक (विद्यालय शाखा)	02
4.	संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारी	07
5.	वरिष्ठ उप निरीक्षक	08
6.	उपनिरीक्षक	08
7.	शैक्षणिक अधिकारी	01
	योग	28
(ख) लेखा शाखा के पद		
1.	मुख्य लेखाधिकारी/वित्तीय सलाहकार	01
2.	लेखाधिकारी	01
3.	सहायक लेखाधिकारी–ा	09
4.	सहायक लेखाधिकारी ाा	13
5.	कनिष्ठ लेखाकार	14
	योग	38
(ग) विधि एवं सांख्यिकी शाखा के पद		
1.	वरिष्ठ विधि अधिकारी	01
2.	सांख्यिकी अधिकारी	01
3.	सांख्यिकी निरीक्षक	01
4.	संगणक	01
	योग	04

(ड) राजकीय महाविद्यालय एवं विद्यालयों में स्वीकृत प्रशासनिक/शैक्षणिक पद		
	(अ) संस्थागत प्रशासनिक पद	
1.	प्राचार्य, आचार्य, (पी.जी.) महाविद्यालय	13
2.	प्राचार्य, शास्त्री (यू.जी.) महाविद्यालय	18
3.	प्रधानाचार्य, शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय	01
4.	प्रधानाचार्य, वरिष्ठ उपाध्याय (सी.सैके.) विद्यालय	193
5.	प्रधानाध्यापक, प्रवेशिका (सैकेण्डरी) विद्यालय	229
	योग	454
	(ब) संस्थागत शैक्षणिक पद	
1.	प्रोफेसर	05
2.	व्याख्याता	199
3.	प्राध्यापक (विद्यालय)	1035
4.	वरिष्ठ अध्यापक	3171
5.	अध्यापक	6610
6.	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक II ग्रेड	27
7.	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक –III ग्रेड	162
8.	पुस्तकालयाध्यक्ष–II ग्रेड	18
9.	पुस्तकालयाध्यक्ष– III ग्रेड	81
10.	प्रयोगशाला सहायक–III ग्रेड	54
	योग	11,362

(च) मंत्रालयिक सेवा व अन्य सेवाओं के पद		
1.	संस्थापन अधिकारी	01
2.	प्रशासनिक अधिकारी	05
3.	अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी	26
4.	निजी सहायक	02
5.	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	86
6.	वरिष्ठ सहायक	158
7.	कनिष्ठ सहायक	286
8.	सूचना सहायक	01
9.	सहायक कम्प्यूटर प्रोग्रामर	01
10.	वाहन चालक	02
11.	जमादार	02
12.	प्रयोगशाला सेवक	33
13.	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	513
	योग	1,116

4. राजस्थान राज्य संस्कृत शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, महापुरा, जयपुर के प्रारंभिक संचालन हेतु निम्न पद स्वीकृत हैः–

क्र0सं0	पद नाम	कुल स्वीकृत पद
1.	उपनिदेशक	01
2.	मूल्यांकन अधिकारी	01
3.	व्याख्याता,विद्यालय	06
4.	सहायक लेखाधिकारी–I	01
5.	सूचना सहायक	01
6.	अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी	01
7.	कनिष्ठ लेखाकार	01
8.	पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड–III	01
9.	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	02
10.	प्रयोगशाला सहायक	01
11.	वरिष्ठ सहायक	02
12.	कनिष्ठ सहायक	01
13.	संगणक	01
14.	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	03
योग		23

5–संस्कृत शिक्षा विभाग के प्रशासनिक, शैक्षणिक स्वीकृत एवं रिक्त पदों का विवरण :–

क्र.सं.	पद	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
1.	निदेशक	1	–	1
2.	संयुक्त निदेशक	1	–	1
3.	मुख्य लेखाधिकारी / वित्तीय सलाहकार	1	1	–
4.	सहायक निदेशक	2	2	–
5.	सांख्यिकी अधिकारी	1	1	–
6.	लेखाधिकारी	1	1	–
7.	सहायक लेखाधिकारी–I	9	9	–
8.	वरिष्ठ विधि अधिकारी	1	1	–
9.	संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारी	7	6	1
10.	वरिष्ठ उप निरीक्षक	8	1	7
11.	उपनिरीक्षक	8	7	1
12.	शैक्षणिक अधिकारी	1	–	1
13.	प्राचार्य,आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	13	2	11
14.	प्रधानाचार्य, शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय	1	1	–
15.	प्रोफेसर	5	5	–
16.	प्राचार्य, शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	18	6	12
17.	व्याख्याता, संस्कृत महाविद्यालय	199	78	121
18.	प्रधानाचार्य, वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय	193	86	107
19.	प्राध्यापक, संस्कृत विद्यालय	1035	666	369
20.	प्रधानाध्यापक, प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	229	90	139
21.	संस्थापन अधिकारी	1	1	0
22.	प्रशासनिक अधिकारी	5	4	01
23.	अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी	26	21	5
24.	वरिष्ठ अध्यापक	3171	1939	1232
25.	सहायक लेखाधिकारी II	13	10	3
26.	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक II ग्रेड	27	19	08
27.	पुस्तकालयाध्यक्ष–II ग्रेड	18	5	13
28.	अध्यापक	6610	4699	1911
29.	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक III ग्रेड	162	44	118
30.	पुस्तकालयाध्यक्ष III ग्रेड	81	41	40
31.	प्रयोगशाला सहायक III ग्रेड	54	30	24
32.	निजी सहायक	2	2	–
33.	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	86	74	12
34.	सांख्यिकी निरीक्षक	1	1	0
35.	सहायक कम्प्यूटर प्रोग्रामर	1	–	1
36.	सूचना सहायक	1	–	1
37.	संगणक	1	–	1
38.	कनिष्ठ लेखाकार	14	11	3
39.	वरिष्ठ सहायक	158	97	61
40.	कनिष्ठ सहायक	286	249	37
41.	वाहन चालक	2	1	1
42.	प्रयोगशाला सेवक	33	14	19
43.	जमादार	2	–	2
44.	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	513	140	373
	योग	13002	8365	4637

6. राजकीय/अराजकीय संस्कृत महाविद्यालयों/विद्यालयों का जिलेवार विवरणः–

जिला	संस्था का स्तर	राजकीय	अराजकीय	विशेष विवरण
अलवर	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	–	–	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	02	–	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	08	–	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	15	06	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	27	12	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	22	–	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	–	3	
	योग	74	21	
जयपुर	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	02	04	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	04	–	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	37	07	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	35	14	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	130	64	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	37	5	
	शिक्षक प्रशिक्षण संस्कृत विद्यालय	01	06	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	–	17	
	योग	246	117	
दौसा	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	01	–	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	01	04	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	11	–	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	11	02	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	24	02	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	14	–	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	–	2	
	योग	62	10	

भरतपुर	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	01	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	01	01	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	07	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	09	06	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	24	19	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	13	02	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	1	
	योग	55	29	
धौलपुर	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	01	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	04	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	04	03	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	13	01	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	11	—	
	शिक्षक प्रशिक्षण संस्कृत विद्यालय	—	04	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	05	
	योग	33	13	
कोटा	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	01	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	01	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	04	01	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	01	01	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	27	02	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	9	—	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	05	
	योग	43	09	

बूँदी	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	04	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	04	02	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	14	01	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	07	—	
	योग	29	03	
बारॉ	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	01	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	01	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	04	01	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	16	—	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	03	—	
	योग	24	2	
झालावाड़	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	03	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	03	—	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	25	01	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	04	—	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	02	
	योग	35	03	
करौली	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	01	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	02	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	03	03	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	17	03	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	11	—	
	शिक्षक प्रशिक्षण संस्कृत विद्यालय	—	01	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	02	
	योग	33	10	

सवाईमाधोपुर	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	1	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	01	01	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	07	03	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	09	03	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	13	10	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	23	—	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	02	
	योग	54	19	
अजमेर	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	01	01	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	01	01	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	08	02	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	09	05	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	15	07	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	24	01	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	3	
	योग	58	20	
भीलवाड़ा	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	01	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	04	02	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	07	02	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	38	02	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	17	—	
	शिक्षक प्रशिक्षण संस्कृत विद्यालय	—	01	
	योग	66	08	
नागौर	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	02	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	04	02	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	10	02	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	52	03	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	15	—	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	04	
	योग	81	13	

टोंक	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	03	02	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	06	05	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	27	06	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	18	—	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	02	
	योग	54	15	
जोधपुर	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	01	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	12	01	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	06	02	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	30	12	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	13	03	
	योग	62	18	
पाली	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	03	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	02	—	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	31	01	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	8	—	
	योग	44	01	
सिरोही	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	01	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	05	—	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	17	—	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	—		
	योग	23	—	

जालौर	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	04	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	03	—	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	20	—	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	07		
	योग	34	—	
जैसलमेर	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	02	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	02	—	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	09	—	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	07	—	
	योग	20	—	
बाड़मेर	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	06	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	06	—	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	43	—	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	15		
	योग	70	—	
उदयपुर	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	01	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	04	02	

	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	06	02	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	34	01	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	09	—	
	शिक्षक प्रशिक्षण संस्कृत विद्यालय	—	01	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	03	
	योग	54	09	
बॉसवाड़ा	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	01	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	02	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	05	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	00	—	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	24	—	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	13	—	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	01	
	योग	43	03	
डूँगरपुर	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	01	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	01	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	07	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	04	—	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	16	—	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	13	—	
	योग	41	01	

राजसमन्द	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	01	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	02	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	03	—	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	17	02	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	03	01	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	01	
	योग	26	04	
चित्तौड़गढ़	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	01	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	03	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	08	—	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	30	02	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	04		
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	02	
	योग	45	05	
प्रतापगढ़	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	01	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	01	—	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	09	—	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	04	—	
	योग	15	—	

बीकानेर	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	01	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	03	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	08	01	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	17	06	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	23	—	
	योग	52	07	
श्रीगंगानगर	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	01	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	01	02	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	20	14	
	प्राथमिक विद्यालय	07	—	
	शिक्षक प्रशिक्षण संस्कृत विद्यालय	—	01	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	01	
	योग	29	18	
हनुमानगढ़	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	03	—	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	05	01	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	19	11	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	13	—	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	03	
	योग	40	15	

चूरू	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	01	01	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	07	01	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	06	01	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	34	45	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	08	—	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	03	
	योग	56	51	
झुंझुनू	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	01	02	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	05	01	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	19	06	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	36	13	
	प्राथमिक संस्कृत विद्यालय	11	—	
	शिक्षक प्रशिक्षण संस्कृत विद्यालय	—	01	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	08	
	योग	72	31	
सीकर	आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	01	03	
	शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	03	—	
	वरिष्ठ उपा0 संस्कृत विद्यालय	18	03	
	प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय	13	05	
	उच्च प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	57	19	
	प्राथ0 संस्कृत विद्यालय	37	02	
	शिक्षा शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय	—	12	
	योग	129	44	

7. वर्ष 2021–22 का बजट :–

(राशि लाखों में)

मद	योजनाओं के अतिरिक्त	व्यय 31 दिसम्बर 2021	आयोजना	व्यय 31 दिसम्बर 2021	केन्द्र प्रव. योजना	व्यय 31 दिसम्बर 2021	सर्व शिक्षा अभियान	व्यय 31 दिसम्बर 2021
निदेशालय महाविद्यालय, विद्यालय, अनुदानित संस्था छात्रवृत्ति संस्कृत भाषा एवं साहित्य का विकास	22115.21	15728.02	8245.53	6560.43	–	–	15638.22	15638.22
प्राथमिक शिक्षा	18575.30	13194.90	–	–	–	–	–	–
जनजाति क्षेत्र विकास (796)	474.93	334.35	1385.41	915.72	–	–	2700.91	2700.91
भवन पूंजीगत व्यय	–	–	350.00	90.46	–	–	–	–
लोक निर्माण (मरम्मत)2059	0.01	–	–	–	–	–	–	–
विशिष्ट संघटक योजना (789)	0.01	–	2053.71	1264.59	–	–	3618.00	3618.00
छात्रवृत्ति	–	–	0.50	0.03	–	–	–	–
विधवा परित्यक्ता मुख्यमंत्री संबल योजना	–	–	0.50	0.27	–	–	–	–
निजी विद्यालयों को ''शिक्षा का अधिकार'' के तहत पुनर्भरण राशि सामान्य व्यय	–	–	70.00	24.41	–	–	–	–
भवन निर्माण (राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान)	–	–	150.00	150.00	–	–	–	–
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान	–	–	46.25	57.44	–	–	–	–
गैर सरकारी संस्कृत संस्थाओं को अनुदान	–	–	0.01	0.00	–	–	–	–
शिक्षण संस्थाओं को सहायता	–	–	0.07	0.00	–	–	–	–
शिक्षण संस्थाओं की स्थापना(संस्कृत विद्यालयों का निर्माण कार्य)	–	–	0.02	0.00	–	–	–	–
योग	41165.46	29257.27	12302.00	9063.35	–	–	21957.13	21957.13

7.1. जेण्डर बजटिंग

वित्तीय वर्ष 2021–22 में आनुपातिक जेण्डर बजट निम्नानुसार है :– (राशि लाखों में)

बजट मद	आयोजना	योग
निदेशालय–01	26.54	26.54
महाविद्यालय–02	51.69	51.69
विद्यालय–101(05) एवं 03	3219.98	3219.98
जनजाति क्षेत्र विकास (विद्यालय)	520.86	520.86
जनजाति क्षेत्र विकास (महाविद्यालय)	0.00	0.00
विशिष्ट संघटक योजना	801.38	801.38
निजी विद्यालयों को शिक्षा अधिकार के तहत पुनर्भरण	61.20	61.20
विधवा परित्यक्ता मुख्यमंत्री संबल योजना	1.00	1.00
भवन निर्माण	106.64	106.64
भवन मरम्मत	0.00	0.00
छात्रवृत्ति	0.20	0.20
भवन निर्माण (राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान)	40.00	40.00
राजस्थान राज्य संस्कृत शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान	18.50	18.50
कुल योग	4847.99	4847.99

8. संवर्गवार वरिष्ठता सूचियों का प्रकाशन

क्र.सं.	संवर्ग	वर्ष	स्थायी / अस्थायी	जारी करने का दिनांक
1.	प्राचार्य आचार्य / प्रोफेसर / सहायक निदेशक	1–4–2021 अवस्थिति	स्थायी	23.09.2021
2.	व्याख्याता कॉलेज	1–4–2021 अवस्थिति	स्थायी	01.11.2021
3.	प्रधानाचार्य वरिष्ठ उपाध्याय	1–4–2021 अवस्थिति	स्थायी	22.07.2021
4.	प्रधानाध्यापक प्रवेशिका	1–4–2021 अवस्थिति	स्थायी	22.07.2021
5.	प्राध्यापक (विद्यालय)	1–4–2021 अवस्थिति	स्थायी	10.09.2021
6.	वरिष्ठ अध्यापक	1–4–2021 अवस्थिति	स्थायी	01.12.2021
7.	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष(द्वितीय श्रेणी)	1–4–2021 अवस्थिति	स्थायी	05.01.2022
8.	अध्यापक NON TSP	1–4–2021 अवस्थिति	स्थायी	10.01.2022
9.	अध्यापक TSP	1–4–2021 अवस्थिति	स्थायी	10.01.2022
10.	शारीरिक शिक्षक (तृतीय श्रेणी) Tsp NON TSP	1–4–2021 अवस्थिति	स्थायी	02.08.2021
11.	पुस्तकालयाध्यक्ष (तृतीय श्रेणी) TSP / NON TSP	1–4–2021 अवस्थिति	स्थायी	02.08.2021
12.	प्रयोगशाला सहायक TSP / NON TSP	1–4–2021 अवस्थिति	स्थायी	02.08.2021
13.	मंत्रालयिक कर्मचारी	1–4–2021 अवस्थिति	स्थायी	01.10.2021
14.	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1–4–2021 अवस्थिति	स्थायी	09.07.2021

स्थायीकरण :–

संस्कृत शिक्षा विभाग में वर्ष 2018 से पूर्व नियुक्त कार्मिकों के स्थायीकरण आदेश जारी किये जा चुके है।

9. शिक्षणेतर प्रवृत्तियॉ

विभाग के विद्यालयीय शिक्षार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को दृष्टिगत रखते हुए निम्नानुसार क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का विभिन्न स्तर पर आयोजन किया जाता है–

क्र. सं.	प्रतियोगिता	प्रवेशिका / वरिष्ठोपाध्याय	उच्च प्राथमिक	वर्ग
1.	वॉलीबॉल	19 वर्ष	14 वर्ष	छात्र–छात्रा
2.	कबड्डी	19 वर्ष	14 वर्ष	छात्र–छात्रा
3.	खो–खो	19 वर्ष	14 वर्ष	छात्र–छात्रा
4.	बैडमिण्टन	19 वर्ष	14 वर्ष	छात्र–छात्रा
5.	फुटबॉल	19 वर्ष	14 वर्ष	छात्र
6.	कुश्ती	19 वर्ष	14 वर्ष	छात्र
7.	एथलेटिक्स एवं साहित्यिक प्रवृत्तियॉ	19 वर्ष	14 वर्ष	छात्र–छात्रा
8.	फुटबॉल	–	17 / 19 वर्ष	छात्रा
9.	क्रिकेट	–	17 / 19 वर्ष	छात्रा
10.	कुश्ती	–	17 / 19 वर्ष	छात्रा
11.	टेनिस क्रिकेट	–	17 / 19 वर्ष	छात्र / छात्रा
12.	साइक्लिंग	–	17 / 19 वर्ष	छात्र / छात्रा
13.	ताईक्वाण्डो	–	17 / 19 वर्ष	छात्र / छात्रा
14.	बाल बैडमिण्टन	–	17 / 19 वर्ष	छात्र / छात्रा
15.	बॉक्सिंग	–	17 / 19 वर्ष	छात्र / छात्रा
16.	स्पीड बॉल	–	17 / 19 वर्ष	छात्र / छात्रा
17.	शतरंज	–	17 / 19 वर्ष	छात्र / छात्रा
18.	नेटबॉल	–	17 / 19 वर्ष	छात्र / छात्रा
19.	थ्रो बॉल	–	17 / 19 वर्ष	छात्र / छात्रा
20.	रोल बॉल	–	17 / 19 वर्ष	छात्र / छात्रा
21.	जूड़ो	–	17 / 19 वर्ष	छात्र / छात्रा
22.	टेनिस वॉलीबाल	–	17 / 19 वर्ष	छात्र / छात्रा
23.	कराटे	–	17 / 19 वर्ष	छात्र / छात्रा
24.	आस्थे–दा–अखाड़ा	–	17 / 19 वर्ष	छात्र / छात्रा
25.	वूशू	–	17 / 19 वर्ष	छात्र / छात्रा
26.	मलखम्भ	–	17 / 19 वर्ष	छात्र / छात्रा

27.	सेपक टकरा	–	17/19 वर्ष	छात्र/छात्रा
28.	टंग ऑफ वार	–	17/19 वर्ष	छात्र/छात्रा
29.	सगोरी (सतोलिया)	–	17/19 वर्ष	छात्र/छात्रा
30.	सुपर सेवन क्रिकेट	–	17/19 वर्ष	छात्र/छात्रा

(क) क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का स्तर

1.	प्रवेशिका वरिष्ठोपाध्याय स्तर (19वर्ष) छात्र वर्ग	संभागीय स्तर	राज्यस्तर
2.	प्रवेशिका वरिष्ठोपाध्याय स्तर (19वर्ष) छात्रा वर्ग	संभागीय स्तर	राज्यस्तर
3.	उच्च प्राथमिक स्तर (14वर्ष) छात्र वर्ग	संभागीय स्तर	राज्यस्तर
4.	उच्च प्राथमिक स्तर (14वर्ष) छात्रा वर्ग	संभागीय स्तर	राज्यस्तर

(ख) क्रीड़ा प्रतियोगिताओं के विजेता/उपविजेता प्रतियोगियों को निम्न विवरणानुसार प्रमाणपत्र जारी किये गये–

क्र.सं.	वर्ग	विवरण	जारी प्रमाणपत्रों की संख्या				
			2017–18	2018–19	2019–20	2020–21	2021–22
1.	प्रवेशिका वरिष्ठोपाध्याय छात्र वर्ग (19वर्ष)	विजेता/उपविजेता	130	145	150	–	167
2.	प्रवेशिका/वरिष्ठ उपाध्याय छात्रा वर्ग (19वर्ष)	विजेता/उपविजेता	200	134	133	–	128
3.	उच्च प्राथमिक स्तर छात्र वर्ग (14वर्ष)	विजेता/उपविजेता	160	152	164	–	140
4.	उच्च प्राथमिक स्तर छात्रा वर्ग (14वर्ष)	विजेता/उपविजेता	58	117	113	–	82

प्रवेशिका/वरिष्ठोपाध्याय (छात्र वर्ग) में विभागीय राज्यस्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में चयनित प्रतियोगी माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं के अन्तर्गत कबड्डी,खो–खो, बैडमिण्टन, वालीबॉल, कुश्ती, एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं ।

महाविद्यालय स्तर पर मेजर गेम्स् एवं स्पोर्टस् के छात्र/छात्राओं की अन्तर्महाविद्यालय क्रीड़ा प्रतियोगिताएँ प्रतिवर्ष जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत शिक्षा विभाग के विभिन्न संस्कृत महाविद्यालयों में आयोजित की जाती हैं ।

10. स्काउट एवं गाइड,रोवर/रेंजरः–

विभाग के अधीन संचालित उच्च प्राथमिक, प्रवेशिका एवं वरिष्ठ उपाध्याय स्तर के विद्यालयों में स्काउट/गाइड एवं महाविद्यालयों में रोवर/रेंजर की प्रवृत्ति संचालित है, जिसमें शिक्षार्थी अनुशासन, सहनशीलता व सेवाभावना से प्रशिक्षण ले रहे हैं। चयनित स्काउट गाइड राष्ट्रीय जम्बूरी में भी भाग ले रहे हैं।

11. एन.सी.सी.ः–

राजकीय आचार्य संस्कृत महाविद्यालय,जयपुर एवं मनोहरपुर में एन.सी.सी. की प्रवृत्ति विगत अनेक वर्षों से संचालित है। विगत सत्रों में इनके छात्र आरडी परेड, बेस्ट कैडेट (ए.टी.सी.),बैस्ट कैडेट (एन.आई.सी.) में चयनित हुए हैं।

12. एन.एस.एस.(राष्ट्रीय सेवा योजना)ः–

संस्कृत महाविद्यालयों में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना प्रवृत्ति के अन्तर्गत अनेक स्वयंसेवक छात्र इस योजना में भाग लेकर राष्ट्रीय सेवा भाव से ग्रामों,कस्बों एवं शहरों में शारीरिक श्रम के साथ ही सामाजिक कुरीतियों के निवारण के लिए समाज को सचेष्ट करते हुए नशामुक्ति और साक्षरता के लिए जन–जन को प्रेरित कर रहे हैं।

3. समान परीक्षा योजनाः–

संस्कृत विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के मूल्यांकन हेतु कक्षा 9 से 12 तक अर्द्धवार्षिक परीक्षाएँ तथा कक्षा 9 एवं 11 के लिए वार्षिक परीक्षा समान परीक्षा योजना के अन्तर्गत संचालित की जाती हैं।

14. आलोच्य वर्ष (2021–22) की विभागीय प्रगति, महत्वपूर्ण उपलब्धियां एवं नवीन योजनाएं/नीतियां/नवाचारों का विवरण :–

(1) नियुक्ति

- वरिष्ठ अध्यापक के 336 पदों पर नियुक्ति प्रदान की गई है।
- प्राध्यापक (विभिन्न विषय) के 280 पदों पर नियुक्ति प्रदान की गई है।
- अनुकम्पात्मक नियुक्ति के नियमों के तहत 24 कनिष्ठ सहायक एवं 07 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को नियुक्ति प्रदान की गई।

(2) पदोन्नति

विभाग में 10 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की कनिष्ठ सहायक के पद पर पदोन्नति की गई।

(3) नवीन पदों का सृजन

क्र.सं.	पदनाम	सृजित पदों की संख्या
1.	प्राचार्य, शास्त्री कॉलेज	01 पद
2.	सहायक निदेशक (विद्यालय शाखा)	02 पद
3.	व्याख्याता, (कॉलेज)	11 पद
4.	प्रधानाचार्य (वरि0उपा0)	02 पद
5.	प्रधानाध्यापक (प्रवेशिका)	38 पद
6.	वरिष्ठ उप निरीक्षक	08 पद
7.	प्राध्यापक (विद्यालय)	10 पद
8.	वरिष्ठ अध्यापक	198 पद
9.	पुस्तकालयाध्यक्ष II ग्रेड	01 पद
10.	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक II ग्रेड	01 पद
11.	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक III ग्रेड	42 पद
12.	कनिष्ठ सहायक	42 पद
13.	सहायक कर्मचारी	43 पद
	योग	399 पद

(4) संस्थाओं की क्रमोन्नति – राजकीय

- विभाग में एक नवीन राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, सैदपुरा (नदबई) भरतपुर खोला गया।
- विभाग में 02 वरिष्ठ उपाध्याय, 39 प्रवेशिका, 01 उच्च प्राथमिक स्तर पर विद्यालयों को क्रमोन्नत किया गया।

(5) प्रशिक्षण/नवाचार

- माघ महोत्सव–2021 :– राजस्थान संस्कृत अकादमी एवं संस्कृत शिक्षा विभागाधीन राजस्थान राज्य संस्कृत शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान महापुरा जयपुर के संयुक्त तत्वावधान मे अखिल भारत स्तरीय माघ महोत्सव–2021 कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
  राजस्थान के जालौर जिले में स्थित भीनमाल नगर में जन्में मरूधरा मणी महाकवि माघ के जन्मोत्सव पर दिनांक 14 फरवरी से 27 फरवरी 2021 तक राष्ट्रीय संगोष्ठी, सस्वर वेदपाठ, नाटक–काव्य–गीत आदि संस्कृत निष्ठ विद्वत्तापूर्ण वैचारिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
  SSIERT महापुरा जयपुर द्वारा उद्घाटन सत्र में दिनांक 14.02.2021 को संस्कृत साहित्य में प्रेम–तत्व विषय पर अनेकों संस्कृत–मनीषियों द्वारा विशिष्ठ व्याख्यान दिया गया।

- संस्कृत सप्ताह 2021:– राजस्थान संस्कृत अकादमी एवं संस्कृत शिक्षा विभागाधीन **SSIERT** महापुरा जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में दिंनाक 22.08.2021 से 28.08.2021 तक वीरेश्वर भवन वैदिक हेरिटेज एवं पाण्डुलिपि शोध संस्थान गणगौरी बाजार जयपुर में संस्कृत सप्ताह 2021 का आयोजन किया गया। प्राचीन पाण्डुलिपियों में समाहित ज्ञान–विज्ञान कोष से वैदिक चित्र प्रदर्शनी लगा कर आगन्तुकों को प्राचीन वेद–विज्ञान से अवगत करवाया गया। संस्कृत भाषा के प्रचार–प्रसार हेतु प्रतिदिन विद्वानों द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान दिये गये।
- देववाणी एप पर ई–कन्टेन्ट एवं टेस्ट मूल्यांकन कार्यः– वर्तमान **COVID-19** की विषम परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए ई–कन्टेन्ट तैयार करवाकर विभागीय देववाणी एप पर अपलोड किए गए। इस ई–कन्टेन्ट द्वारा ऑनलाइन–शिक्षण गतिविधियों को प्रभावी बनाते हुए छात्र–अधिगम को सुगम किया गया। संस्कृत के अलावा कक्षा 1 से 12 तक सभी विषयों के ई–कन्टेन्ट तैयार कर अपलोड किये जा रहे हैं। साथ ही अवलोकन कर दक्षता का भी प्रशिक्षण किया जा रहा है। छात्रों के अधिगम स्तर को जांचने के लिए देववाणी एप पर समस्त कक्षाओं के सभी विषयों के टेस्ट पेपर समय–समय पर अपलोड किये जाते हैं जिससे संबंधित विषयाध्यापक द्वारा विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं अधिगम स्तर का मूल्यांकन किया जा रहा है।
- वर्क बुक्स कक्षा 1 से 9 तकः–कोविड–19 वैश्विक महामारी के कारण छात्र–हित को ध्यान में रखते हुए शिक्षण कार्य का सरलीकरण करने के उद्देश्य से कक्षा 1 से 9 तक की कार्य पुस्तिकाओं का निर्माण किया गया। जिसका वितरण संस्कृत शिक्षा के सभी विद्यालयो में कर दिया गया है। जिससे छात्रों का शैक्षिक–उन्नयन एवं बौद्धिक विकास हो सकेगा। साथ ही अध्यापकों के अध्यापन–क्षमता एवं अध्यापन –कौशल का विकास करने में उनकी मार्गदर्शिका के रूप में सहायक होगी।
- संस्कृत महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिये शैक्षणिक ई–कन्टेन्ट्स निरन्तर तैयार कर यू–ट्यूब के माध्यम से एवं संस्कृत शिक्षा ऑनलाईन ग्रुप में अपलोड करवाये गये है। 1000 से अधिक ई–कन्टेन्ट्स (पाठ्यसामग्री) तैयार कर यू–ट्यूब पर अपलोड किये जा चुके है तथा पी.पी.टी. व व्याख्यानों के माध्यम से विद्यार्थी लाभ प्राप्त कर रहे हैं। प्रत्येक महाविद्यालय में व्याख्याताओं द्वारा ऑनलाईन कक्षाएं भी संचालित की जा रही है।

(6) शाला दर्पणः–

- संस्कृत शिक्षा विभाग के अधीन संचालित सभी 1770 राजकीय संस्कृत विद्यालयों को शाला दर्पण ऑनलाइन पार्टल से जोडा जा चुका है। वर्तमान में पोर्टल पर विद्यालय लॉगिंग स्थिति, विद्यार्थी क्रमोन्नति रिपोर्ट, लिंगानुसार नामांकन, जाति वर्गवार नामांकन कक्षा एवं जाति वर्गवार विद्यार्थी नामांकन, कक्षा ग्रुपवार विद्यार्थी नामांकन का मॉडयूल एक्टिव है। शैक्षणिक सत्र 2020–21 में प्रारंभिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा (कक्षा–1 से 8तक) 2021 एवं प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन (कक्षा–5) 2021 से संबंधित कार्य शाला दर्पण के माध्यम से ऑनलाइन कर दिया गया है। साथ ही विभाग के समस्त शिक्षकों का डेटा शाला दर्पण पर अपडेट किये जाने की प्रक्रिया पूर्ण होने पर विभाग के समस्त शिक्षक/कार्मिको की कार्यारम्भ/कार्यमुक्ति प्रक्रिया ऑन लाईन शाला दर्पण पोर्टल से करने का मॉड्यूल एक्टिव किया जा चुका है, इसके साथ ही संस्थाओं में उपस्थिति संबंधी मॉड्यूल भी प्रारम्भ करने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

(7) पाठ्यपुस्तकों का वितरण–

- संस्कृत विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 1 से 12 तक समस्त छात्र–छात्राओं को राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल द्वारा मुद्रित पाठ्यपुस्तकों का निःशुल्क वितरण किया गया ।

(8) महाविद्यालय/कार्यालय के लिये नवीन भवन निर्माण :–

- राजकीय आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, अजमेर भवन निर्माण हेतु 30.00 लाख, राजकीय आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जोधपुर के भवन निर्माण हेतु 10.00 लाख, राजकीय आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जोधपुर के नाला एवं पार्किग निर्माण हेतु 10.00 लाख, राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, चौथ का बरवाडा, (स0मा0) के भवन निर्माण हेतु 200.00लाख, राज. राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान महापुरा में नवीन भवन निर्माण हेतु 300.00 लाख, राजकीय आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, उदयपुर के नवीन भवन निर्माण हेतु 50.00 लाख राशि की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

(9) लैपटॉप वितरण योजनाः–

सामान्य शिक्षा की भॉति राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित मानदण्डानुसार संस्कृत शिक्षा विभाग के विद्यालयों में वरीयता सूची में स्थान प्राप्त छात्र–छात्राओं को लैपटॉप वितरित किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसके अन्तर्गत राज्यस्तर पर माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा कुल वितरित लैपटॉप का 02 प्रतिशत वरिष्ठ उपाध्याय एवं प्रवेशिका स्तर तथा जिला स्तर पर 02 लेपटॉप संस्कृत शिक्षा विभाग के बोर्ड परीक्षा में वरीयता प्राप्त छात्र–छात्राओं को वितरण किये जाने का निर्णय लिया गया इसके साथ ही कक्षा 8 में वरीयता प्राप्त छात्र–छात्राओं को राज्य स्तर पर 1 प्रतिशत एवं प्रत्येक जिले में 1 लेपटॉप वितरण करने का निर्णय लिया गया है।

(10) संस्कृत विद्वत्सम्मान समारोह :–

प्रति वर्ष आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय संस्कृत विद्वत्सम्मान समारोह के अन्तर्गत चार वर्षो में सम्मानित होने वाले विद्वज्जनों, शिक्षार्थियों एवं संस्थाओं का संख्या विवरण निम्नानुसार हैः–

क्र.सं.	सम्मान विवरण	2017	2018	2019	2020	2021
1.	संस्कृत साधना शिखर सम्मान	1	1	1	–	–
2.	संस्कृत साधना सम्मान	2	2	2	–	–
3.	संस्कृत विद्वत् सम्मान	6	6	6	–	–
4.	संस्कृत युवा प्रतिभा पुरस्कार	5	4	7	–	–
5.	विशेष सम्मान	2	–	–	–	–
6.	आचार्य/शास्त्री/एम.ए. (संस्कृत)/संयुक्ताचार्य परीक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्त्ता शिक्षार्थियों को पुरस्कार	10	10	11	–	–
7.	वरिष्ठ उपाध्याय एवं प्रवेशिका परीक्षाओं में तीन स्थानों तक वरीयता प्राप्त तीन–तीन शिक्षार्थियों को पुरस्कार	7	7	7	–	–
8.	बोर्ड परीक्षाओं में परिणामगत सर्वोच्च सूचकांक प्राप्त संस्थाओं को प्रशस्ति पत्र	–	–	3	–	–
9.	राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित खो–खो प्रतियोगिता में भाग लेने पर पुरस्कार प्रदान किया गया ।	–	–	–	–	–

विशेष :– वैश्विक महामारी कोरोना काल के कारण वर्ष 2020 एवं 2021 में राज्यस्तरीय संस्कृत विद्वत्सम्मान समारोह का आयोजन नहीं हो पाया।

(11) शिक्षक पुरस्कारः–

संस्कृत शिक्षा विभाग के शिक्षकों को निम्नानुसार राष्ट्रीयस्तर/राज्यस्तर पर सम्मानित किया गया :–

क्र. सं.	वर्ग	सम्मानित शिक्षकों की संख्या				
		2017–18	2018–19	2019–20	2020–21	2021–22
1.	राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित शिक्षक	02	–	–	–	–
2.	राज्य स्तर पर सम्मानित शिक्षक	02	02	02	01	–

(12) गार्गी पुरस्कारः–

संस्कृत शिक्षा की वरिष्ठ उपाध्याय एवं प्रवेशिका स्तर की छात्राएँ जिन्होंने बोर्ड की परीक्षाओं में 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त किये हैं, उन्हें गार्गी पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा हैः–

क्र.सं.	वर्ग	लाभान्वित छात्राओं की संख्या			
		2017–18	2018–19	2019–20	2020–21
1.	वरिष्ठ उपाध्याय	107	195	–	249
2.	प्रवेशिका	57	108	–	94

(13) छात्राओं को साइकिल वितरणः–

विभाग के अन्तर्गत संचालित राजकीय विद्यालयों मे कक्षा–9 में अध्ययनरत पात्र छात्राओं को साइकिलों का वितरण किया गया :–

क्र.सं.	योजना	लाभान्वित छात्राओं की संख्या			
		2018–19	2019–20	2020–21	2021–22
1.	छात्राओं को साइकिल का वितरण	3860	2849	3530	4454

(14) विधवा/परित्यक्ता मुख्यमंत्री संबल योजनाः–

- विधवा परित्यक्ता मुख्यमंत्री संबल योजना अन्तर्गत बीएसीटीसी करने वाली 2 विधवा परित्यक्ता महिलाओं को 9,000/– रूपये प्रति महिला एवं बीएड करने वाली 1 विधवा महिला को 26,990/– रूपये राशि का ऑनलाइन भुगतान किया गया।

(15) पद्माक्षी (इन्दिरा प्रियदर्शिनी) पुरस्कार :–

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं में राज्य स्तर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली वरिष्ठ उपाध्याय की 07–छात्राओं को एक लाख रुपये व स्कूटी, प्रवेशिका की 07–छात्राओं को पचहत्तर हजार रूपये कक्षा–8 की छात्राओं को चालीस हजार रूपये की पुरस्कार राशि नियमानुसार प्रदान की जाती है। सत्र 2020–21 कक्षा 8वीं बोर्ड की परीक्षा आयोजित नहीं होने के कारण छात्राओं को पुरस्कार प्रदान नहीं किया गया।

(16) आपकी बेटी योजना–

आपकी बेटी योजना के तहत कक्षा 1 से 8 तक एवं कक्षा–9 से 12 की छात्राओं को (निर्धारित मानदण्डों की पूर्ति करने वाली छात्राओं को) आर्थिक सहायता प्रदान की गई ,संख्या विवरण निम्नानुसार हैः–

क्र. सं.	वर्ग	लाभान्वित छात्राओं की संख्या				
		2017–18	2018–19	2019–20	2020–21	2021–22
1.	कक्षा 9 से 12	91	82	124	101	–
2.	कक्षा 1 से 8	145	118	126	140	–

(17) निर्धन पण्डितों की आर्थिक सहायता

विभाग द्वारा संस्कृत विद्वानों को साहित्य सृजन, पारितोषिक तथा जीवन निर्वाह हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है । चार वर्षों में उपलब्ध कराई गई सहायता का विवरण निम्नानुसार है–

क्र. सं.	योजना	आर्थिक सहायता प्राप्त विद्वानों की संख्या			
		2017–18	2018–19	2019–20	2020–21
1.	साहित्य सर्जन	–	1	–	–
2.	योग्यता पारितोषिक	1	2	–	2
3.	जीवन निर्वाह	3	3	–	3

(18) यू0जी0सी0 सातवां वेतनमान

संस्कृत शिक्षा के महाविद्यालय शिक्षकों को पे–बेण्ड–4 दिये जाने के आदेश जारी किये गये साथ ही संस्कृत महाविद्यालय शिक्षकों, शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक ग्रेड–ा, पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड–ा हेतु सातवें वेतनमान का लाभ प्रदान किया गया।

(19) विद्या सम्बल योजना

संस्कृत शिक्षा महाविद्यालयों में रिक्त पदों पर विद्या सम्बल योजना अन्तर्गत गेस्ट फैकल्टी से पदों को भरने की प्रक्रिया की जा रही है।

(20) ट्रांसपोर्ट वाउचर योजना

कक्षा	विद्यालय का प्रकार	वास स्थान से विद्यालिय की दूरी	श्रेणी	दर (प्रति उपस्थिति दिवस)	वर्ष में अधिकतम स्वीकृत / देय राशि प्रति विद्यार्थी	वर्ष 2020–21 में लाभान्वित विद्यार्थी
1 से 5	राजकीय विद्यालय	1 किमी. से अधिक	बालक व बालिका	10 रूपये	3000	–
6 से 8	राजकीय विद्यालय	2 किमी. से अधिक	बालक व बालिका	15 रूपये	3000	3092

11 से 12	राजकीय विद्यालय	ग्रामीण क्षेत्र में वांछित संकाय/विषय उपलब्ध नहीं होने पर 5 किमी से अधिक के शहरी विद्यालय में आने वाली	बालिका	20 रूपये	5400	–

(21) काली बाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना–

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर द्वारा राजकीय एवं निजी विद्यालयों के तहत सामान्य वर्ग का आर्थिक पिछड़ा वर्ग (EBC) मेधावी छात्राएं जिनके परिवार की वार्षिक आय 2.50 लाख से कम हो तथा प्रवेशिका एवं वरिष्ठ उपाध्याय कक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को दिया जाता है। इस योजना में प्रवेशिका की 04 छात्राओं को व वरिष्ठ उपाध्याय की 12 छात्राओं को काली बाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना का लाभ दिया जाता है।

(22) सैनेटरी नेपकिन–

महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान, जयपुर के द्वारा स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से संस्कृत शिक्षा विभाग के विद्यालयों में कक्षा 6 से 12 में अध्ययनरत छात्राओं को निःशुल्क सैनेटरी नेपकिन वितरित किया जाता है। वर्ष 2020–21 में 29015 छात्राओं एवं वर्ष 2021–22 में 33789 छात्राओं को निःशुल्क सैनेटरी नेपकिन वितरित किया गया।

संस्कृत–शिक्षा सभी के लिए

संस्कृत शिक्षण संस्थाओं में सामान्य वर्ग के साथ ही अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों की संख्या सभी वर्गों में संस्कृत–शिक्षा के प्रति बढ़ती हुई अभिरुचि की परिचायक है साथ ही सभी वर्गों की छात्राओं का भी संस्कृत–शिक्षा के प्रति रुझान है।

1. विश्वविद्यालय का संक्षिप्त परिचय –

राज्य में संस्कृत विश्वविद्यालय के लिए राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 1998 (1998 का अधिनियम–10) की अनुमति महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा दिनांक 02.09. 1998 के द्वारा प्रदत्त उपरान्त विश्वविद्यालय का विधिवत् कार्यारम्भ दिनांक 06.02.2001 से हुआ। प्रारम्भिक काल में विश्वविद्यालय किराये के भवन राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल, झालाना डूंगरी, जयपुर पर संचालित किया गया। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा सांगानेर क्षेत्र के ग्राम मदाऊ एवं जगतश्रवणपुरा के निकट 78.85 हेक्टेयर (लगभग 300 बीघा) भूमि निःशुल्क आवंटित की गई है। दिनांक 17 अप्रेल, 2003 को इस भूमि पर त्रिवेणीधाम, शाहपुरा, जिला–जयपुर के पद्मश्री विभूषित संत शिरोमणी ब्रह्मपीठाधीश्वर खोजीद्वाराचार्य श्री श्री 1008 श्री नारायणदासजी महाराज के सतत् प्रयासों से दानदाताओं के माध्यम से भवन निर्माण समिति द्वारा निर्माण के प्रथम चरण में विश्वविद्यालय परिसर के प्रशासनिक भवन, अनुसंधान केन्द्र भवन, पुस्तकालय भवन, 06 शैक्षिक भवनों, विशिष्ट आवास, शिक्षक आवास, बैंक एवं कैंटीन भवन और तीन छात्रावासों की आधारशिला रखते हुये निर्माण प्रारम्भ किया गया। भवन निर्माण समिति व विश्वविद्यालय द्वारा किये गये अनुबंध अनुसार विश्वविद्यालय को भवन निर्मित कर उपलब्ध कराने के फलस्वरूप इसका नामकरण राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर के स्थान पर दिनांक 27.06.05 से जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर किया गया है। नवनिर्मित भवन में विश्वविद्यालय माह सितंबर, 2005 में स्थानान्तरित हुआ। वर्तमान में डॉ. अनुला मौर्य दिनांक 23.08.2019 से कुलपति पद पर आसीन हैं।

2. विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य –

सम्पूर्ण संस्कृत वाङ्मय के सांगोपांग अध्ययन और अध्यापन, सतत विशेषज्ञीय अनुसंधान और उससे आनुषंगिक अन्य विषयों की व्यवस्था करने, संस्कृत वाङ्मय में निहित ज्ञान–विज्ञान की अनुसंधान पर आधारित सरल वैज्ञानिक पद्धति से व्यावहारिक व्याख्या प्रस्तुत करने के साथ ही अन्य महत्वपूर्ण अनुसंधान के परिणामों और उपलब्धियों को प्रकाश में लाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के अधिनियम की धारा 2 (एफ) एवं 12(बी) के अन्तर्गत यह विश्वविद्यालय मान्यता प्राप्त है।

3. विश्वविद्यालय का भूमि एवं भवन –

जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा सांगानेर क्षेत्र के ग्राम–मदाऊ एवं जगतश्रवणपुरा के निकट–78.85 हेक्टेयर (लगभग 300 बीघा) भूमि निःशुल्क आवंटित की गई है। इस भूमि पर त्रिवेणीधाम, शाहपुरा, जिला–जयपुर के पद्मश्री विभूषित संत शिरोमणी ब्रह्मपीठाधीश्वर खोजीद्वाराचार्य श्री श्री 1008 श्री नारायणदासजी महाराज के प्रयासों से निर्माण के प्रथम चरण में प्रशासनिक भवन, अनुसंधान केन्द्र भवन, पुस्तकालय भवन, 06 शैक्षिक भवनों, विशिष्ट आवास, शिक्षक आवास, बैंक एवं कैंटीन भवन, तीन छात्रावासों, विद्यावारिधि हनुमान मन्दिर तथा सन्त निवास का निर्माण किया जा चुका है।

राज्य सरकार की बजट घोषणा वर्ष 2013–14 में विश्वविद्यालय परिसर में शैक्षणिक मीटिंग हॉल एवं योग साधना केन्द्र निर्माण हेतु शिक्षा ग्रुप–6 विभाग के आदेश क्रमांक प16(27)शिक्षा–6 /2007 पार्ट IX दिनांक 19.06.2013 द्वारा राशि रूपये 157.58 लाख एवं आदेश क्रमांक प16 (27) शिक्षा–6 /2007 पार्ट IX दिनांक 24.02.2015 द्वारा राशि रूपये 90.00 लाख स्वीकृत किये गये। उक्त भवनों का निर्माण कार्य दिनांक 23 अक्टूबर 2013 को प्रारम्भ किया गया। उपरोक्त प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृतियों से प्राप्त बजट राशि से राजस्थान राज्य सड़क विकास एवं निर्माण निगम लि0 जयपुर द्वारा योग साधना केन्द्र का निर्माण कार्य दिनांक 21.06.2015 को एवं शैक्षणिक मीटिंग हॉल का निर्माण कार्य दिनांक 10.12.2015 को पूर्ण कर लिया गया।

विश्वविद्यालय परिसर में स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि पर काफी समय से स्थानीय व्यक्तियों का अतिक्रमण था जिसे जयपुर विकास प्राधिकरण एवं पुलिस प्रशासन की सहायता से मुक्त कराकर दिनांक 10.12.2014 को निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया। राज्य सरकार की बजट घोषणा वर्ष 2013–14 में विश्वविद्यालय परिसर में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य हेतु शिक्षा ग्रुप–6 विभाग के आदेश क्रमांक प16 (27) शिक्षा–6/2007 पार्ट XI दिनांक 19.06.2013 राशि रूपये 175.00 लाख स्वीकृत किये गये। उपरोक्त प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति से प्राप्त बजट राशि द्वारा राजस्थान राज्य सड़क विकास एवं निर्माण निगम लि0, जयपुर के माध्यम से निर्माण कार्य करवाया जा रहा है।

विश्वविद्यालय परिसर में आन्तरिक सड़क निर्माण हेतु शिक्षा ग्रुप–6 विभाग के आदेश क्रमांक प18 (10) शिक्षा–6/2011 पार्ट 1 दिनांक 26.02.2014 द्वारा स्वीकृत राशि 5.00 लाख एवं आदेश क्रमांक प16 (27) शिक्षा–6/2007 पार्ट IX दिनांक 20.03.2015 के द्वारा राशि 138.73 लाख स्वीकृत किये गये। उपरोक्त प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति से प्राप्त बजट राशि के द्वारा दिनांक 15.04.2015 को निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया। राजस्थान राज्य सड़क विकास एवं

निर्माण निगम लि0, जयपुर के माध्यम से उक्त निर्माण कार्य करवाया गया। निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है।

माननीय मुख्यमंत्री महोदया की विश्वविद्यालय विजिट दिनांक 12.08.2015 के दौरान सार्वजनिक निर्माण विभाग को दिये गये निर्देशों की पालना में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा सिविल रिपेयरिंग मेन्टेनेन्स, इलेक्ट्रिक कार्य, योग साधना केन्द्र की अकेडमिक यूनिट का निर्माण, मंत्र प्रतिष्ठान केन्द्र भवन निर्माण एवं ओपन एयर थियेटर निर्माण हेतु तैयार किये गये कुल तकमीना राशि 2312.16 लाख की स्वीकृति शासन द्वारा पत्रांक क्रमांक प18(21)शिक्षा–6/2015 दिनांक 27.11.2015 के द्वारा प्रदान की गई। कार्यो को आवश्यकता/ प्राथमिकता के अनुसार सम्पन्न कराया जा रहा है, जिनका विवरण निम्नानुसार है–

राशि लाखों में

क्र. सं.	कार्य	स्वीकृत राशि	सिविल कार्य हेतु व्यय राशि (दिसम्बर, 2021 तक)	इलेक्ट्रिक कार्य हेतु व्यय राशि (दिसम्बर, 2021 तक)	कुल व्यय राशि	विशेष विवरण
1.	सिविल रिपेयर एवं मेंटिनेन्स कार्य	536.74	490.54	-	490.64	कार्य प्रगतिशील
2.	ऑपन एयर थियेटर	269.39	238.52	13.46	251.98	कार्य सम्पन्न
3.	राजस्थान मंत्र प्रतिष्ठान केन्द्र	549.73	459.80	30.10	489.90	कार्य सम्पन
4.	शैक्षणिक इकाई– योग साधना केन्द्र	839.72	423.50	16.11	439.61	कार्य प्रगतिशील
5.	इलेक्ट्रिक कार्य	116.58	0.00	116.98	116.98	कार्य सम्पन्न
	कुल योग	**2312.16**	**1612.36**	**176.65**	**1789.11**	

उपरोक्तानुसार उल्लेखित कार्यों में से सिविल रिपेयरिंग एवं मेन्टीनेन्स कार्य एवं शैक्षणिक इकाई योग साधना केन्द्र का निर्माण कार्य प्रगति पर है। ऑपन एयर थियेटर एवं राजस्थान मंत्र प्रतिष्ठान का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। विभिन्न इलेक्ट्रिक कार्य भी सम्पन्न किये जा चुके हैं।

4. विश्वविद्यालय में स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण–

(अ) शैक्षणिक पद–

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	विशेष विवरण
1	प्रोफेसर	06	00	06	
2	रीडर	12	03	09	
3	सहायक आचार्य	26	17	09	
	योग	44	20	24	

नोट–8–रिक्त पदों हेतु विज्ञापन संख्या 1/2017 जारी किया हुआ है, भर्ती प्रक्रियाधीन है।

(ब) अशैक्षणिक पद –

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	विशेष विवरण
1.	कुलपति	01	01	0	
2.	कुलसचिव	01	01	0	
3.	वित्त नियंत्रक	01	01	0	
4.	परीक्षा नियंत्रक	01	01	0	
5.	निदेशक, अनुसंधान	01	0	01	विज्ञापन संख्या 1/2017 जारी किया जा चुका है भर्ती प्रक्रिया जारी है।
6.	उपकुलसचिव	01	0	01	
7.	सहायक कुलसचिव	04	02	02	
8.	सहा. पुस्तकालयाध्यक्ष	01	0	01	–
9.	निजी सचिव, कुलपति	01	01	0	–
10.	अनुभागाधिकारी	03	02	01	पदोन्नति का पद है।
11.	कार्यालय सहायक	04	02	02	पदोन्नति का पद है।
12.	कम्प्यूटर प्रोग्रामर	01	01	0	–
13.	सहायक लेखाधिकारी प्रथम	01	00	01	प्रतिनियुक्ति पद है।
14.	सहायक लेखाधिकारी द्वितीय	01	01	0	प्रतिनियुक्ति पद है।
15.	सहायक अभियंता	01	0	01	प्रतिनियुक्ति का पद है।
16.	कनिष्ठ अभियंता	01	0	01	प्रतिनियुक्ति का पद है।
17.	कनिष्ठ लेखाकार	02	00	02	प्रतिनियुक्ति का पद है।
18.	विधि सहायक	01	0	01	प्रतिनियुक्ति का पद है।
19.	कम्प्यूटर ऑपरेटर	01	0	01	
20.	निजी सहायक–कुलपति	01	0	01	
21.	निजी सहायक–कुलसचिव	01	01	0	
22.	स्टेनोग्राफर	01	0	01	
23.	वरिष्ठ लिपिक	10	03	07	पदोन्नति का पद है।
24.	कनिष्ठ लिपिक	26	05	21	6– रिक्त पदों की भर्ती हेतु विज्ञापन संख्या 01/17 जारी कर भर्ती कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।
25.	वाहन चालक (नियमित)	01	0	01	
26.	च.श्रे.क. नियमित	07	07	0	01 पद की नियुक्ति मान . न्यायालय के आदेश द्वारा Kept in abayance है।
27.	पुजारी	02	0	02	प्रतिनियुक्ति/सीधी भर्ती
	योग	77	29	48	
	कुल योग (शैक्षणिक + अशैक्षणिक)	121	49	72	

(स) मन्त्र प्रतिष्ठान हेतु स्वीकृत पद

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	विशेष विवरण
1.	निदेशक(प्रोफेसर)	01	–	01	5–रिक्त पदों हेतु विज्ञापन संख्या 1/2017 जारी कर भर्ती की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।
2.	उपनिदेशक(रीडर निगमागम शास्त्रीय अध्ययन)	01	–	01	
3.	उपनिदेशक, विज्ञान	01	–	01	
4.	सहायक शोध अधिकारी डीआरआरसी(व्याख्याता)	01	–	01	

क्र.स.	पदनाम	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	विशेष विवरण
1.	सहायक शोध अधिकारी एलडीएसी(व्याख्याता)	01	–	01	
2.	कम्प्यूटर प्रोग्रामर	01	–	01	राज्य सरकार से स्वीकृति पश्चात् भर्ती की कार्यवाही की जावेगी।
3.	Qualified Assistant	02	–	02	
4.	Common Assistant	02	–	02	
	योग	10	–	10	

5.विश्वविद्यालय के प्राधिकरण –

विश्वविद्यालय अधिनियमान्तर्गत प्रशासनिक एवं शैक्षिक क्रियाकलापों के सुचारु एवं सुव्यवस्थित संपादन के लिए अधोलिखित प्राधिकरणों की व्यवस्था हैः–

1. कार्य परिषद्
2. विद्या परिषद्
3. संकाय
4. अध्ययन बोर्ड
5. निरीक्षण बोर्ड
6. अनुसंधान बोर्ड
7. वित्त समिति
8. योजना एवं परिनिरीक्षण बोर्ड
9. स्वास्थ्य एवं आवास बोर्ड

6.विश्वविद्यालय के संकाय एवं पाठ्यक्रम –

1. वेद–वेदांग संकाय –

1–ऋग्वेद, 2–शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिनशाखीय), 3–शुक्लयजुर्वेद (काण्वशाखीय), 4–कृष्णयजुर्वेद (तैत्तिरीयशाखीय), 5–सामवेद (कौथुमशाखीय), 6–सामवेद (जैमिनीयशाखीय), 7–अथर्ववेद 8–पौरोहित्य, 9–वेदनैरूक्तप्रक्रिया, 10–वेदविज्ञान, 11–गणितज्योतिष, 12–सिद्वान्तज्योतिष, 13–फलितज्योतिष, 14–सामुद्रिकज्योतिष, 15–वास्तुविज्ञान, 16–धर्मशास्त्र, 17–नव्यव्याकरण तथा 18–प्राच्यव्याकरण

2. साहित्य–संस्कृति संकाय –

1–साहित्य, 2–पुराणेतिहास तथा 3–प्राचीन राजनीति शास्त्र

3. दर्शन संकाय –

1–सामान्य दर्शन, 2–वेदान्त दर्शन, 3–मीमांसादर्शन, 4–न्यायदर्शन, 5–निम्बार्कदर्शन, 6–बल्लभदर्शन, 7–योगदर्शन, 8–रामानन्दर्शन, 9–रामानुजदर्शन, 10–तुलनात्मक दर्शन तथा 11–द्वैत वेदान्त 12– योग विज्ञान

4. श्रमण विद्या संकाय –

1–जैन दर्शन, 2–बौद्ध दर्शन तथा 3–प्राकृत जैनागम

5. आधुनिक ज्ञान–विज्ञान संकाय –

1 अंग्रेजी साहित्य, 2 हिन्दी साहित्य, 3 इतिहास, 4 राजनीति विज्ञान,

5 लोक प्रशासन, 6 समाजशास्त्र, 7 अर्थशास्त्र, 8 गृहविज्ञान (केवल छात्राओं के लिए),

9 गणित, 10 शारीरिक शिक्षा, 11 कम्प्यूटर अनुप्रयोग

6. शिक्षा संकाय –

शिक्षाशास्त्र, सामान्य शारीरिक शिक्षा एवं सामान्य कला शिक्षा

7. विश्वविद्यालय के शैक्षिक विभाग –

1. वेद एवं पौरोहित्य विभाग
2. नव्य व्याकरण विभाग
3. ज्योतिष विभाग
4. साहित्य विभाग
5. दर्शन विभाग
6. शिक्षा शास्त्र विभाग
7. योग विभाग

8. विश्वविद्यालय पुस्तकालय –

विश्वविद्यालय पुस्तकालय का नाम श्री अग्रदेवाचार्य जी ग्रन्थागार रखा गया है। श्री अग्रदेवाचार्य ग्रन्थागार केन्द्रीय पुस्तकालय का समय–समय पर विद्वानों एवं विशिष्ट व्यक्तियों द्वारा भ्रमण एवं अवलोकन किया गया जिसमें पुस्तकालय की व्यवस्था को सराहनीय बताया गया। केन्द्रीय पुस्तकालय में लगभग 200 छात्रों की बैठने की व्यवस्था तथा शोधार्थियों के लिए पृथक् से शोध केबिन भी बनाए गए है। केन्द्रीय पुस्तकालय के स्वचालन (Automation) के लिए एनआईसी से ई–ग्रन्थालय सॉटवेयर निःशुल्क प्राप्त कर पुस्तकों का कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है। दिनांक 31 दिसम्बर, 2021 तक लगभग 20875 पुस्तकों का डेटाबेस तैयार है तथा शेष पुस्तकों के कम्प्यूटरीकरण की प्रक्रिया जारी है। पुस्तकों का आदान–प्रदान छात्रों, शिक्षकों, शोधार्थियों इत्यादि को ई–ग्रन्थालय सॉटवेयर का प्रयोग कर किया जा रहा है। श्री अग्रदेवाचार्य ग्रन्थालय केन्द्रीय पुस्तकालय संस्कृत का विशिष्ट पुस्तकालय है जिसमें संस्कृत के सांगोंपांग अध्ययन–अध्यापन हेतु संस्कृत से सम्बन्धित विषयों के ग्रन्थों का विशाल संग्रह है। जुलाई 2002 में 267 पुस्तकों के साथ अध्ययन केन्द्र में शुभारम्भ किया गया था। इस पुस्तकालय को सितम्बर, 2005 में विश्वविद्यालय परिसर के नये भवन में स्थानान्तरित किया गया। दिसम्बर, 2021 तक की अवधि में इस पुस्तकालय में 42706 पुस्तकें / रिपोर्ट (284) व 280 सी.डी. / डी.वी.डी. तथा 502 शोध प्रबंध के साथ–साथ संस्कृत शोध पत्रिकाओं के 2100 पुराने अंक भी शोधार्थियों के उपयोगर्थ संगृहीत है। इसके अतिरिक्त शिक्षा विभागीय पुस्तकालय में 5241 पुस्तकें, 248 लघु शोध एवं शोध प्रबंध संगृहीत हैं तथा 25 पत्र–पत्रिकाएं नियमित मगंवाई जा रही है।

01 अप्रैल 2021 से 31 दिसम्बर, 2021 तक पुस्तकालय प्रगति रिपोर्ट निम्नानुसार हैः–

31 दिसम्बर, 2021 तक कुल पुस्तकें	–	42706
01 अप्रैल 21 से 31 दिसम्बर 21 तक पुस्तकालय का उपयोगकर्ता पाठकों की संख्या	–	8345
कम्प्यूटरीकृत पुस्तकों की संख्या	–	20875
प्राप्त पत्र–पत्रिकाएं	–	89
शोध केबिन	–	20
पाठक बैठक क्षमता	–	200
प्रदत्त सेवाएं	–	आगम–निर्गम, सन्दर्भ सेवा, Reference Service, CAS, SDI Internet Service Competition Book Corner, Teach yourself sanskrit corner, personalty development cell की व्यवस्था की गई है।
Library Software	–	E-Granthalaya 3.0 & Internet
आगामी योजना	–	पुस्तक संग्रह, कम्प्यूटरीकरण एवं E-Library बनाने की योजना, यूजीसी के INFLIBNETMembership

9. विश्वविद्यालय अनुसंधान केन्द्र –

विश्वविद्यालय में अनुसंधान केन्द्र की व्यवस्था एवं समन्वय, अभिनव ज्ञान के सृजन, नवीन अन्तर्दृष्टि विकसित करने तथा भारत के प्राचीन ज्ञान कोश में गहन अनुसंधान करने के उद्देश्य से अनुसंधान केन्द्र की स्थापना की गई। अनुसंधान केन्द्र हेतु विभिन्न प्रयोगशालाएं भी स्थापित किया जाना प्रस्तावित हैं, जिनमें वैदिक यज्ञशाला, सौर वेधशाला, रसायनशाला (भौतिक, वानस्पतिक एवं जीव विज्ञान से संबंधित), ज्योतिष प्रयोगशाला, तारामंडल, योगतंत्रशाला प्रमुख हैं। संस्कृत वाङ्मय के विभिन्न विषयों एवं विधाओं में उच्च स्तरीय अनुसंधान तथा दुर्लभ ग्रंथों के संग्रहण, संरक्षण, संपादन और प्रकाशन इस अनुसंधान केन्द्र के प्रमुख कार्य हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा विद्यावारिधि (पीएच.डी.) माह दिसम्बर 2019 में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी) द्वारा निर्धारित मापदण्डानुसार षाण्मासिक प्रशिक्षण पाठयक्रम (कोर्स वर्क) 2019–2020 पूर्ण कर परीक्षा दिनांक 06.11.2020 को आयोजित की गई। परीक्षा परिणाम घोषित किये जाने के उपरान्त डी.आर.सी. की बैठक माह मार्च 2021 एवं माह जुलाई 2021 में आयोजित कर 60 अभ्यर्थियों का शोध पंजीयन किया गया। इसके आलावा 12 अभ्यर्थियों को एम.फिल. द्वितीय सेमेस्टर में प्रवेश दिया गया।

क्र.सं.	नाम	संख्या
1.	अनुसंधान पीठों की संख्या	08
2.	वर्तमान में कार्यरत पीठाध्यक्ष	NIL
3.	पंजीकृत शेध निर्देशक	40
4.	उपाधि प्राप्त शोधार्थी	245
5.	पंजीकृत शोधार्थी	128
6.	पाण्डुलिपियां	2000
7.	प्रकाशित पुस्तकें	17
8.	शोध पत्रिकाऐं	02
9.	इस विश्वविद्यालय से मान्यताप्राप्त शोध संस्थान	04

10. विश्वविद्यालय अनुसंधान पीठ –

इस विश्वविद्यालय में विभिन्न शास्त्रों के प्राचीन (पारम्परिक) पद्धति से अध्ययन–अध्यापन, संस्कृत के क्षेत्र में गहन अनुसंधान आदि के उद्देश्य से 08 पीठों की स्थापना करने का निर्णय लिया गया था। हर पीठ का प्रमुख एक पीठाध्यक्ष उस विषय विशेष का निष्णात एवं प्रमुख विद्वान है।

क्र.सं.	नाम पीठ	पीठाध्यक्षों का नाम
1.	महामहोपाध्यायगिरिधरशर्माचतुर्वेदी व्याकरणपीठ	रिक्त
2.	पं. नित्यानंद शास्त्री आधुनिक संस्कृतपीठ	रिक्त
3.	भट्टमथुरानाथ शास्त्री साहित्यपीठ	रिक्त
4.	वेदवाचस्पति मधुसूदन ओझा वेदविज्ञानपीठ	रिक्त
5.	श्रीरामानन्दाचार्यवेदान्तपीठ	रिक्त
6.	महाकवि ज्ञानसागर जैनदर्शनपीठ	रिक्त
7.	सवाईजयसिंह ज्योतिर्विज्ञानपीठ	रिक्त
8.	महामहोपाध्यायपट्टाभिराम शास्त्री मीमांसापीठ	रिक्त

11. विश्वविद्यालय प्रकाशन –

आलोच्य अवधि में निम्नांकित ग्रंथों/पुस्तकों का प्रकाशन विश्वविद्यालय द्वारा किया गया –

क्र. सं.	ग्रन्थ का नाम	भाषा	लेखक/सम्पादक	प्रकाशन वर्ष	मूल्य
1	व्याख्यानमणि माला	हिन्दी संस्कृत	प्रो0 ताराशंकर शर्मा	2005	100/-
2	इंटीग्रल वर्ल्ड व्यू ऑफ वेदाज	अंग्रेजी	प्रो0 दयानन्द भार्गव	2007	395/-
3	मञ्जुनाथवाग्वैजयन्ती	हिन्दी संस्कृत	देवर्षि कलानाथ शास्त्री	2007	255/-
4	ज्योत्पत्ति (मैथमेटिक्स)	हिन्दी संस्कृत	सं. वेणुगोपाल जी हेरूर एवं डॉ0 जे .एन. विजय	2007	195/-
5	सांख्यकारिका (अशोकदा– संस्कृत व्याख्या सहित)	हिन्दी संस्कृत	डॉ0 प्रमोद कुमार शर्मा	2007	295/-
6	काव्यदर्शनविमर्शः	हिन्दी	आचार्य राममूर्ति त्रिपाठी	2008	320/-
7	वैदिकसंहितासु ज्योतिर्विज्ञानम्	संस्कृत	डॉ0 विनोद कुमार शर्मा	2008	301/-
8	अश्वशास्त्रम् – एन इलस्ट्रेटेड बुक ऑफ इक्विनोलोजी	संस्कृत अंग्रेजी हिन्दी	डॉ0 सन्दीप जोशी	2008	2100/-
9	चिकित्साज्योतिषम्	हिन्दी अंग्रेजी संस्कृत	डॉ0 विनोद कुमार शर्मा	2008	475/-
10	भारतीय सभ्यता का एक सांस्कृतिक फलक	हिन्दी	ले. वासुदेव पोद्दार , सं. पं. अनन्तराम शर्मा	2008	235/-
11	प्रौढ़चिंतनचन्द्रिका	संस्कृत	डॉ0 सुभाष चन्द्र शर्मा	2009	195/-
12	पातञ्जलयोगसूत्रम्	हिन्दी	प्रो0 दयानन्द भार्गव	2010	395/-
13	भक्तिरसस्यैव ब्रह्मस्वरूपत्वम्	संस्कृत	डॉ0 सुभाष शर्मा	2010	370/-
14	पुराणदर्शन समग्र दृष्टि	हिन्दी	ले.पं अनन्त राम शर्मा सं.प्रो0 ताराशंकर शर्मा	2010	275/-
15	अहमेव राधा अहमेव कृष्णः	संस्कृत हिन्दी	प्रो0 ताराशंकर शर्मा	2013	200/-
16	श्रीरामानंददर्शनदीपक	संस्कृत	पण्डित बदरि प्रसाद शर्मा प्रपूर्णा	2014	250/-
17	वैदिक ऋषि परंपरा एवं वंशावलियाँ	हिन्दी	प्रो. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र एवं डॉ. विनोद कुमार शर्मा	2014	150/-

विश्वविद्यालय के प्रकाश्यमान ग्रन्थः–

वर्तमान में निम्नानुसार ग्रन्थों पर कार्य पूर्ण होकर मुद्रण कार्य हेतु प्रकाशनार्थ मुद्रणालय को भिजवाये गऐ–

1. अम्भोवाद, सानुवाद सटिप्पण– पण्डित अनन्तराम शर्मा
2. अत्रिख्याति–पण्डित बदरिप्रसाद शास्त्री
3. शाब्द सुधा– पण्डित बदरि प्रसाद शास्त्री
4. निर्विशेष ब्रह्मवाद– पण्डित पारसनाथ द्विवेदी
5. भगवन्नामकौमुदी– आचार्य श्रीसियारामदासजी
6. श्रीरामतापनीयोपनिषद् – आचार्य श्रीसियारामदासजी
7. यागानुष्ठानपद्धति– प्रो. युगल किशोर मिश्र
8. संस्कृत साहित्य आधुनिक कालीन परिदृश्य – देवर्षि कलानाथ शास्त्री
9. दर्शपौर्णमासेष्टि– प्रो. दयानन्द भार्गव

12. विश्वविद्यालय द्वारा पाण्डुलिपीय संरक्षणः–

देश के विभिन्न संस्थानों एवं विद्वानों से लगभग 2000 पाण्डुलिपियों का संग्रहण कर उन्हें संरक्षित किया जा रहा है।

13. विश्वविद्यालय पत्रिकाएं–

1. वयम् (संस्कृत–हिन्दी–अंग्रेजी) षाण्मासिक शोध पत्रिका का संयुक्तांक 28–29 वें अंक का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा 30वें अंक के प्रकाशन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।
2. प्रवृत्ति (वार्तापत्र) के अग्रिम अंक के प्रकाशन की कार्यवाही पूर्णता की ओर है।

14. विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय –

क्र.सं.	स्थायी	अस्थायी	योग
1 शास्त्री स्तर पर	16	21	37
2 आचार्य स्तर पर	17	11	28
3 शिक्षाशास्त्री स्तर	10	66	76
4 योग पाठ्यक्रम	00	40	40
कुल योग	43	138	181

15. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त उपाधि (डिग्रीज) और उपाख्य (डिप्लोमा) –

विश्वविद्यालय अधोलिखित उपाधियां/उपाख्य/प्रमाण पत्र प्रदान करता है –

क. उपाधियां (डिग्रीज) –

1. शास्त्री (स्नातक)
2. संयुक्ताचार्य
3. योग विज्ञान शास्त्री (B.A./B.Sc.)
4. योग विज्ञानाचार्य (M.A./M.Sc.)
3. आचार्य (स्नातकोत्तर)
4. शिक्षा शास्त्री (बी.एड़.)
5. शिक्षाचार्य (एम.एड़.)
6. विद्यानिधि (एम.फिल.)
7. विद्यावारिधि (पीएच.डी.)
8. विद्यावाचस्पति (डी.लिट्.)

ख. विशिष्ट उपाख्य डिप्लोमा–

1. ज्योतिषशास्त्र
2. वास्तुशास्त्र

ग. उपाख्य (डिप्लोमा) –

1. ज्योतिषशास्त्र
2. वास्तुशास्त्र
3. कम्प्यूटर
4. पी.जी.डी.सी.ए.
5. कर्मकाण्ड एवं पौरोहित्य
6. योग स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDYT.)

घ. प्रमाण–पत्र –

1. ज्योतिषशास्त्र 2. वास्तुशास्त्र 3. कम्प्यूटर 4. योग प्रमाण पत्र (YIC)

16. विश्वविद्यालय छात्र नामांकन संख्या –

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं में गत वर्षों में अधोलिखित छात्र प्रविष्ट हुए –

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	2016	2017	2018	2019	2020	2021
1	शास्त्री (स्नातक परीक्षा)	13096	12085	11765	11627	9007	11771
2	आचार्य (स्नातकोत्तर परीक्षा)	7534	5325	4840	5505	4472	4721
3	शिक्षा शास्त्री (बी.एड.)	6194	5916	5882	4876	4136	7750
4	शिक्षाचार्य (एम.एड.)	34	32	21	61	41	54
5	विद्यानिधि (एम.फिल.)	0	0	0	0	16	11
6	संयुक्ताचार्य (शास्त्री. आचार्य)	555	666	284	440	419	568
7	पीजीडीसीए	238	274	300	254	350	380
8	शास्त्री (अतिरिक्त विषय परीक्षा)	39	30	44	301	185	35
9	ज्योतिष प्रमाण पत्रीय परीक्षा	0	0	0	0	00	65
10	कर्मकाण्ड एवं पौरोहित्य डिप्लोमा	0	34	19	42	35	110
11	रामानन्ददर्शन	0	2	0	0	00	00
12	YIC योग प्रशिक्षक पाठ्यक्रम (त्रेमासिक)	24	0	0	9	00	00
13	PGDYT योग चिकित्सा में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा (एक वर्षीय)	102	185	337	1016	1158	1507
14.	बी.ए./बी.एससी (योग)	0	31	70	216	73	90
15.	एम.ए./एम.एससी (योग)	0	109	168	337	145	300
	कुल योग	27816	24689	**23730**	**24684**	**20037**	**27362**

17.(अ) विश्वविद्यालय परिसर में सत्र 2021–22 के अध्ययनरत छात्रों की संख्या –

विभाग / विषय	संयुक्ताचार्य					कुल योग
	I सेमेस्टर	III सेमेस्टर	V सेमेस्टर	VII सेमेस्टर	IX सेमेस्टर	
दर्शन	01	0	03	01	0	**05**
वेद	05	17	03	06	06	**37**
ज्योतिष	03	03	06	05	03	**20**
व्याकरण	17	14	22	09	22	**84**
साहित्य	07	07	10	11	18	**53**
जैन दर्शन	0	0	03	01	0	**04**
योग	33	29	29	123	90	**304**
योग	**66**	**70**	**76**	**156**	**139**	**507**

(ब)विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षा विभाग के छात्रों की संख्या सत्र 2021–22

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	प्रविष्ठ छात्र संख्या
1.	शिक्षा शास्त्री (B.Ed.) प्रथम वर्ष	वर्तमान में प्रवेश हेतु काउन्सलिंग प्रक्रियाधीन है।
2.	शिक्षा शास्त्री (B.Ed.) द्वितीय वर्ष	34
3.	शिक्षाचार्य (M.Ed.) प्रथम सेमेस्टर	वर्तमान में प्रवेश हेतु काउन्सलिंग प्रक्रियाधीन है।
4.	शिक्षाचार्य (M.Ed.) द्वितीय सेमेस्टर	15
5.	शिक्षाचार्य (M.Ed.) तृतीय सेमेस्टर	0
6.	शिक्षाचार्य (M.Ed.) चतुर्थ सेमेस्टर	16

(स)डिप्लोमा पाठ्यक्रम सत्र 2021–22

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	प्रविष्ठ छात्र संख्या
1.	कर्मकाण्ड पौरोहित्य डिप्लोमा	39
2.	योग में डिप्लोमा (PGDYT.)	21
	योग	**60**

18. विश्वविद्यालय छात्रावास –

विश्वविद्यालय में तीन छात्रावास संचालित है, जिनमें से दो पुरुष एवं एक महिला छात्रावास स्थित है, विद्यार्थियो की संख्या वर्षवार निम्नानुसार हैः–

छात्रावास	2014–15	2015–16	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2020–21	2021–22
प्रथम	30	55	45	0	0	0	कोविड के कारण वर्तमान सत्र में अध्यापन का कार्य प्रारम्भ न होने के कारण छात्रावास में विद्यार्थीयो का पंजीकरण कार्य नही किया जा सका है।	00
द्वितीय	27	0	0	75	108	115		45
महिला	30	59	80	65	66	67		34
कुल छात्र संख्या	87	114	125	140	174	182		79

तीनों छात्रावासों में छात्रों के लिए पलंग, कुर्सी, टेबल, अलमारी, बिजली, पानी, दूरदर्शन, खेल–कूद, समाचार पत्र–पत्रिकाएं, चिकित्सा एवं भोजन की व्यवस्था सुचारू ढंग से उपलब्ध है।

19. शिक्षाशास्त्री पूर्व प्रवेश परीक्षा (पी.एस.एस.टी.)/प्री–शिक्षाचार्य परीक्षा (पी.एस.ए.टी.)–

सत्र 2006–07 से राज्य सरकार द्वारा पीएसएसटी हेतु विश्वविद्यालय को कार्यभार सौंपा गया। सत्र 2009–10 एवं 2010–11 में राज्य सरकार द्वारा पीएसएसटी हेतु राजस्थान विश्वविद्यालय को कार्यभार सौंप दिया गया था। राज्य सरकार द्वारा पुनः विश्वविद्यालय को सत्र 2011–12 से पीएसएसटी का कार्यभार सौंपा गया है। राज्य की पीटीईटी की तरह यह प्रवेश परीक्षा राज्य के विभिन्न जिलों में सम्पादित कराई जाती है। विभिन्न वर्षो में संस्थाएं, आवेदक अभ्यर्थी एवं आवंटित स्थानों की सारणी –

विषय	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
संस्थाएं	69	69	67	66	67	67	72	74	79	82
उपलब्ध सीटे				7360	7360	7360	7710	8010	8360	8610
आवेदक अभ्यर्थी	8612	9240	10456	11343	11680	7664	4744	4460	5853	4387
स्थान आवंटन	5182	5304	5884	6850	6398	3937	2076	2829	4136	2942

राज्य सरकार के उच्च शिक्षा विभाग, शासन सचिवालय द्वारा आयोजित बैठक में पी .टी.ई. टी./पीएसएसटी/प्री–एम.एड./प्री–शिक्षाचार्य/बीएसटीसी परीक्षाओं में से संस्कृत विश्वविद्यालय को प्री–शिक्षाशास्त्री (पीएसएसटी), प्री–शिक्षाचार्य परीक्षा तथा प्री–शास्त्री–शिक्षाशास्त्री परीक्षा आयोजन का दायित्व सौपा गया।

20. विश्वविद्यालय संग्रह –

ग्रन्थालय में संस्कृत वाङ्मय में सांगोपांग अध्ययन अध्यापन तथा संस्कृत भाषा के शिक्षण प्रशिक्षण हेतु वेद, आयुर्वेद, धर्मशास्त्र, पुराण–महापुराण, ज्योतिष, सामुद्रिक विज्ञान, वास्तु, व्याकरण, साहित्य एवं सामान्य दर्शन, न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, वेदान्त, जैन, बौद्ध, निम्बार्क, रामानन्ददर्शन, कम्प्यूटर एवं सामान्य पुस्तकें, जीवनियां इत्यादि विषयों पर प्रकाशित महत्वपूर्ण एवं दुर्लभ ग्रन्थों का संग्रह है। इसके अतिरिक्त शब्दकोश, विश्वकोश, हस्तलिखित ग्रन्थसूचियां (Manuscripts Catalogues) एवं संदर्भ ग्रन्थ भी संगृहीत है।

21. विश्वविद्यालय संस्कृत प्रदर्शनी –

दुर्लभ रंगीन चित्रों का सुन्दर संग्रह, जिसमें वेद, ज्योतिष तथा दर्शन से सम्बन्धित चित्र हैं। इनकी कुल संख्या–400 है, एवं इस प्रकार का यह संग्रह देश में प्रथम है।

22. विश्वविद्यालय ज्योतिष–प्रयोगशाला –

इस में कई बहुमूल्य यन्त्रों का संग्रह किया गया है, जिनके द्वारा ग्रहों की स्पष्ट स्थिति देखी जाती है।

23. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली के अधिनियम की धारा 12 (बी) की मान्यता– विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्रांक 9–15/2003 (CPP-I/PU) दिनांक 28.01.2014 द्वारा अधिनियम 1956 की धारा 12(बी) में मान्यता प्रदान कर दी गई है। जिससे विश्वविद्यालय को ढांचागत विकास, पुस्तकालय, शैक्षणिक विभागों, अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सेमीनार, विशेष शिक्षण परियोजनाओं इत्यादि हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त होगी।

24. विश्वविद्यालय द्वारा किये गये अभिनव प्रयोग एवं नवाचारों की क्रियान्विति के संबंध में विवरण–

- वर्तमान सरकार के घोषणा पत्र के बिन्दु सं. 7.25 जिसमें संस्कृत शिक्षा तथा संस्कृत भाषा को प्रोत्साहन की जनघोषणा के इस बिन्दु के क्रम में संस्कृत शिक्षा के प्रस्ताव के अनुसार समस्त राजकीय /निजी चिकत्सालयों में जन्म लेने वाले बच्चों को जन्म प्रमाण पत्र की तरह जन्म पत्रिका व राशि नाम उपलब्ध करवाये जाने की योजना के क्रम में जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा कार्ययोजना तैयार कर माननीय संस्कृत शिक्षा मंत्री महोदय को प्रेषित की गई।
- जनघोषणा पत्र के बिन्दु सं 7.26– प्रदेश में वैदिक संस्कार एवं शिक्षा बोर्ड का गठन किया जायेगा। इस क्रम में राज्य सरकार के प्रशासनिक सुधार (अनु–3)विभाग के द्वारा वैदिक संस्कार एवं शिक्षा बोर्ड की स्थापना हेतु ड्राफ्ट तैयार करने के लिए माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा इस विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय के संयोजन में एक राज्यस्तरीय समिति का गठन किया गया। गठित समितिद्वारा वैदिक संस्कार एवं शिक्षा बोर्ड राजस्थान की स्थापना हेतु विधान /अधिनियम का प्रारूप तैयार कर राज्य सरकार को आगामी कार्यवाही हेतु प्रस्तुत कर दिया गया।
- विश्वविद्यालय एवं सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालयों में CBCS पद्धति को सभी पाठ्यक्रमों मे सत्र 2020–21 से लागू किया गया।

- विश्वविद्यालय में वर्तमान सत्र 2020–21 डीओआईटी जयपुर के माध्यम से ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया लागू की गई।
- विश्वविद्यालय परिसर में 500 वृक्ष लगाये गये।
- विश्वविद्यालय में प्रथम बार तृतीय दीक्षान्त समारोह 16 दिसम्बर 2019 में डी .लिट् की उपाधि प्रदान की गयी।
- विश्वविद्यालय में प्रथम बार Yuv-Spandan Cultural Fest दिनांक 27 फरवरी, 2020 को आयोजित किया गया।
- दिल्ली में विश्व संस्कृत सम्मेलन में दिनांक 09–11 नवम्बर, 2019 तक राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- संस्कृत को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने हेतु विभिन्न अध्ययन केन्द्रों की स्थापना– विश्वविद्यालय में तीन अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की गयी, जिनके अन्तर्गत संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार है–
  - महात्मा गांधी अध्ययन केन्द्र– Post Gratuate Diploma in Gandian Studies
  - डॉ. अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र– Post Gratuate Diploma in Ambedkar Studies
  - महिला अध्ययन केन्द्र– Post Gratuate Diploma in Ambedkar Studies
- विश्वविद्यालय में राजस्थान मंत्र प्रतिष्ठान के अन्तर्गत Diploma in Mantra Methodology & Therapy पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया।
- कौशल विकास के लिए जर्मन तथा फ्रेंच भाषा के प्रमाण–पत्र व डिप्लोमा पाठ्यक्रम पत्रकारिता व पाण्डुलिपि विज्ञान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये।
- संस्कृत भाषा के शास्त्रों में निहित ज्ञान विज्ञान को आधुनिक कौशल शिक्षा से जोड़ने हेतु सत्र 2020–21 से नये पाठ्यक्रमों का अभिनव प्रयोग–
  - Diplima in Financial Management
  - PG Diploma in Financial Management
  - Diploma in Sanskrit DTP
  - Diploma in Human Resource Management
  - PG Diploma in Human Resource Management
  - Diploma in Mantra Chikitsa

- Diploma in Temple Management & Culture
- PG Diploma in Indian Temple Management & Culture
- Diploma in Vedic Mathematics
- Diploma in Creative writing in Sanskrit
- Diploma in Sanskrit Translation
- Sanskrit Preparatory Course for Administrative Services
- News Anchoring - Special reference to Sanskrit
- Diploma in Event Management
- Diploma in Sanskrit Stotra Sahitya
- Diploma in Prachya Vidya
- Diploma in Modern Sanskrit
- Diploma in Functional Sanskrit
- Diploma in Classical Music
- PG Diploma in Classical Music

- सभी विभागों में निम्नानुसार ऑनलाइन कोर्स प्रारम्भ किये गये–
  - E-certificate course in Educational Research
  - Web Designing Course
  - DTP-Desk Top Publishing
  - Office Automation
  - ज्योतिष प्रमाण पत्र/सर्टिफिकेट
  - वास्तु प्रमाण पत्र/सर्टिफिकेट
  - मेडिकल एस्ट्रोलोजी डिप्लोमा
  - ई–सर्टिफिकेट इन दर्शन
  - Short Term Course in Textual Criticism
  - Short Term Course in Ancient INdian Script Writing
  - Short Term Course in Sabdanushasan (Astadhyayi)
  - अल्पकालीन ई–पाठ्यक्रम वाल्मिकी रामायण का सुन्दरकाण्ड
  - ऑनलाइन ग्राम पौरोहित्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
  - Advance Yoga Course

- विश्वविद्यालय द्वारा राजस्थान कौशल विकास विश्वविद्यालय, जयपुर से एम.ओ.यू. किया गया जिसके निम्नांकित पाठ्यक्रम संचालित किए जाएगें–
    - ऐग्रीकल्चर फार्म हाउस मैनेजमेन्ट
    - फ्लोरीकल्चरिस्ट
    - गार्डनर
    - ग्रीन हाउस मैनेजमेन्ट
    - ऑर्गेनिक फार्मिंग
    - ब्यूटी कॉस्मेटोलॉजी
    - हेयर स्टाइयलिंग एवं सेलून मैनेजमेन्ट
    - मेक–अप आर्टिस्ट
- विश्वविद्यालय में NCC एवं स्काउटिंग विंग खोला जाएगा।
- कोविड 19 में लॉकडाउन के दौरान विद्यार्थियों के लिए ई कक्षाओं का आयोजन किया गया ।
- विश्वविद्यालय के सात विभागों के द्वारा ऑनलाईन वेबीनार्स का आयोजन किया गया।
- विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गॉव में मास्क एवं सेनेटाईजर तथा कोविड19 से बचाव की गाईडलाईन का प्रचार –प्रचार किया गया ।
- विश्वविद्यालय शिक्षकों द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालय एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों के अन्तर्गत विभिन्न व्याख्यानमालाओं, शास्त्र परिचर्चा एवं विभिन्न कार्यशालाओं में सहभागिता।

25. विश्वविद्यालय की उपलब्धियाँः–

1. विश्वविद्यालय को 28, जनवरी, 2014 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत विश्वविद्यालय को 12–बी की मान्यता प्राप्त हुई।
2. विश्वविद्यालय में मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के सहयोग से भारत संचार निगम लि0 द्वारा सम्पूर्ण विश्वविद्यालय को इन्टरनेट कनेक्टिविटी से जोड़ा गया है।

26. विश्वविद्यालय विकास हेतु नवीन योजनाऐं–

1. विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन का आयोजन।
2. विश्वविद्यालय परिसर को मानव संसाधन विकास मंत्रालय की योजना के माध्यम से वाई–फाई करवाना।
3. विश्वविद्यालय कम्प्यूटर लैब का आधुनिकीकरण करना।
4. छात्रों में शैक्षणिक रूचि में अभिवृद्धि हेतु महाविद्यालय एवं राज्यस्तरीय शास्त्रीय सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा प्रतिस्पर्धाओं का क्रमशः निर्धारित समयानुसार आयोजन।
5. विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों पर राष्ट्रस्तरीय व्याख्यान–माला एवं कार्यशाला का आयोजन।
6. छात्रों के आवासीय व्यवस्था छात्रावास में सभी सुविधाओं के साथ भोजनादि की सुचारू व्यवस्था के साथ सत्रारम्भ से ही छात्रावास का संचालन।
7. परिसरीय छात्रों में शैक्षणिक वातावरण एवं संस्कृतमय वातावरण हेतु पाक्षिक/मासिक भाषण–शास्त्रार्थ अन्त्याक्षरी–क्रीड़ा आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन।
8. क्रीड़ा व्यवस्था को व्यवस्थित रूप देने हेतु क्रीड़ा शिक्षक (शारीरिक शिक्षक) की नियुक्ति।
9. समस्त शैक्षणिक संकायों में निर्धारित विषय विशेष पर तत्तद् अध्यापकों द्वारा शोधपूर्ण लेखों को संगृहीत कर उन पर विद्वच्चर्चा के बाद पत्रिका का प्रकाशन कर समस्त विश्वविद्यालय में प्रेषण।
10. उच्चस्तरीय एक विषय–विशेषज्ञ समिति के द्वारा तत्तद् कार्यों के संचालित हेतु प्रभारी की नियुक्ति कर समयबद्ध कार्यों का संचालन।
11. भारतीय प्राचीन इतिहास की प्रासंगिकता वर्तमान में सामान्य विश्वविद्यालयों में भी अधिक होने के कारण अपने विश्वविद्यालय में पुराणेतिहास विषय का अध्यापन प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही आधुनिक विषय हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिविज्ञान, इतिहास, पर्यावरण, कम्प्यूटर एवं संगीत आदि ऐच्छिक विषयों को समुचित अध्यापन हेतु अध्यापकों की नियुक्ति भी प्रस्तावित है।
12. विश्वविद्यालय में आरोग्य केन्द्र स्थापित करने का प्रयास जिससे देश–विदेश के लोग सकारात्मक स्वास्थ्य के लिए योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा का लाभ ले सकें।
13. विश्वविद्यालय के आस–पास गांवों एवं सार्वजनिक स्थानों पर योग एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का कार्यक्रम समय–समय पर किया जा रहा है।

27. विश्वविद्यालय का मदवार बजटः—

STATEMENT SHOWING THE POSITION OF BUDGET ALLOCATION RECEIPT AND EXPENDITURE DURING YEAR 2011-12, 2012-13, 2013-14, 2014-15, 2015-16, 2017-18, 2018-19, 2019-20, 2020-21 and 2021-22

Rs. in lac

YEAR	SCHEME				OTHER THAN SCHEME			OWN INCOME			TOTAL		
	ALLOCATION		ACTUL RECEIPT	EXP.	ALLOCATION	ACTUL RECEIPT	EXP.	ESTIMITED INCOME	ACTUL RECEIPT	EXP.	ALLOCATION	ACTUL RECEIPT	EXP.
	ORIGINAL	REVISED											
2011- 12	128.5	32.13	32.13	25.83	143	143	383.83	552.66	597.25	236.57	727.79	772.38	646.23
2012-13	166	62.17	21.47	6.69	183	200	409.11	665.93	717.57	286.58	911.1	939.04	702.38
2013-14	428.99	410.01	348.58	17.6	260	260	464.98	785.07	813.37	287.07	1455.08	1421.95	769.65
2014-15	269.96	143.96	143.95	9.5	260	260	454	853.25	906.91	221.43	1257.21	1310.86	684.93
2015-16	303.8	161.27	111	10	141	141	603.99	769.97	854.57	292.43	1072.24	1106.57	906.42
2016-17	940.3	549.14	243.63	243.63	250	250	631.94	1001.6	928.57	388.51	1800.74	1422.2	1264.08
2017-18	919.49	911.65	911.65	911.65	400	400	556.44	954.19	971.12	592	2265.84	2282.77	2060.09
2018-19	1011.44	629.80	517.24	*517.76*	550.00	400.00	576.30	877.97	*877.22*	*348.30*	2057.77	1794.46	1442.36
2019-20	735.48	229.74	145.59	*145.59*	425.00	300.00	300.00	1075.11	*1090.37*	*614.97*	1729.85	1535.96	1060.56
2020-21	341.17	100.02	1.56	*1.56*	657.30	380.00	380.00	1144.75	*532.18*	*286.97*	1902.07	913.74	668.53
2021-22	428.00	-	428.00	*428.00*	1000.00	1000.00	649.70	1200.00	*927.00*	*511.00*	2628.00	2355.00	1588.70

निदेशालय, संस्कृत-शिक्षा, राजस्थान, जयपुर

डॉ. एस. राधाकृष्णन् शिक्षा संकुल, ब्लॉक-6, जवाहर लाल नेहरू मार्ग,

जयपुर-302017 (राजस्थान)

www.rajsanskrit.nic.in